राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 22 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-153 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जगदीप धनखड़ का उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा, स्वास्थ्य कारणों को इस्तीफे की वजह बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ ने उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों को इस्तीफे की वजह बताया है।

धनखड़ ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए और डॉक्टरों की सलाह का पालन करते हुए भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। यह इस्तीफा संविधान के अनुच्छेद 67(क) के अनुसार है। मैं भारत की राष्ट्रपति को हार्दिक धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मुझे लगातार सहयोग और एक शांतिपूर्ण कार्य संबंध प्रदान किया। यह मेरे लिए बेहद सुखद अनुभव रहा। उन्होंने आगे कहा, मैं माननीय प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद का भी आभार प्रकट करता हूं। प्रधानमंत्री का सहयोग मेरे लिए बेहद मूल्यवान रहा है और मैंने अपने कार्यकाल के दौरान उनसे बहुत कुछ सीखा है। धनखड़ ने कहा, मुझे माननीय सांसदों से जो स्नेह, विश्वास और अपनापन मिला, वह मेरे लिए सदा अमूल्य रहेगा और मेरी स्मृति में अंकित रहेगा। मैं इस महान लोकतंत्र में उपराष्ट्रपति के रूप में मिले अमूल्य अनुभवों और ज्ञान के लिए अत्यंत आभारी हूं। उन्होंने आगे लिखा कि इस महत्वपूर्ण कालखंड में भारत की अभूतपूर्व आर्थिक प्रगति और असाधारण विकास का साक्षी बनना और उसमें सहभागी होना मेरे लिए गर्व और संतोष की बात रही है। हमारे राष्ट्र के इस परिवर्तनकारी युग में सेवा करना मेरे लिए एक सच्चा सम्मान रहा है। जब मैं इस प्रतिष्ठित पद को छोड़ रहा हूं, तो मैं भारत के वैश्विक उत्थान और उसकी अद्भुत उपलब्धियों पर गर्व से भर जाता हूं, और उसके उज्ज्वल भविष्य में मेरी पूर्ण आस्था है। इससे पहले उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि ईश्वर की कृपा रही तो वह अगस्त, 2027 में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का पांच साल का कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 को समाप्त हो रहा है। पेशे से वकील धनखड़ उपराष्ट्रपति चुने जाने से पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे।

2022 में जगदीप धनखड़ को 14वें उप राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। 6 अगस्त 2022 को हुए उप राष्ट्रपति के चुनाव में धनखड़ ने विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को हराया था। धनखड़ को कुल 725 में से 528 वोट मिले थे, जबकि अल्वा को 182 वोट मिले थे।

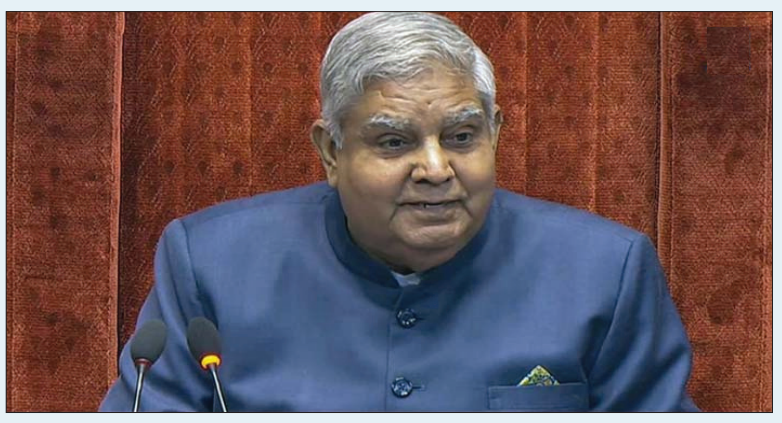

ट्रेन ब्लास्ट मामला: बॉम्बे हाईकोर्ट ने 12 आरोपियों को किया बरी, नहीं मिले कोई सबूत

-2006 में मात्र 11 मिनट में हुए थे सात अलग-अलग जगहों पर सीरियल ब्लास्ट

मुंबई (एजेंसी)। साल 2006 में मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को फैसला सुना दिया है। इस मामले में 12 आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया। कोर्ट ने विशेष टाडा न्यायालय की ओर से दोषी ठहराए गए सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया है। इनमें से पांच को मृत्युदंड और सात को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों को निर्दोष करार देते हुए उन्हें तुरंत जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। बता दें यह फैसला 19 साल बाद आया है। न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति एस चांडक की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए सबूतों में कोई ठोस आधार नहीं था। कोर्ट ने सभी आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। हाईकोर्ट ने न केवल आरोपियों की अपील को स्वीकार किया, बल्कि राज्य सरकार की उस याचिका को भी खारिज कर दिया, जिसमें मृत्युदंड की मांग की गई थी। बता दें यह मामला 11 जुलाई 2006 का है, जब मुंबई की लोकल ट्रेनों में शाम के समय मात्र 11 मिनट के अंदर सात अलग-अलग जगहों पर सीरियल बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 189 लोगों की मौत हो गई थी और 827 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। नवंबर 2006 में इस मामले में चार्जशीट दाखिल की गई थी। इसके बाद 2015 में ट्रायल कोर्ट ने 12 आरोपियों को दोषी ठहराया, जिसमें पांच को फांसी और सात को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

ब्रह्मपुत्र पर दुनिया के सबसे बड़े बांध पर सीएम सरमा, उन्हें तत्काल चिंता की कोई बात नहीं दिखती

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ब्रह्मपुत्र पर दुनिया के सबसे बड़े बांध बनने के चीन के कदम पर आशंकाओं को कम कर कहा कि उन्हें तत्काल चिंता की कोई बात नहीं दिखती क्योंकि नदी को अपना अधिकांश पानी भूटान और अरुणाचल प्रदेश से मिलता है। सीएम सरमा ने कहा कि पिछले सप्ताह शुरू हुए विशाल बांध के वास्तविक प्रभाव के बारे में अभी ठीक से जानकारी नहीं है क्योंकि इस बांध को लेकर अलग-अलग धारणाएँ बनाई जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि केंद्र सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी। चीन ने बीते शनिवार को अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सीमा के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाले एक विशाल जलविद्युत बांध का औपचारिक निर्माण शुरू कर दिया है, इस तिब्बत में यारलुंग ज़ंगबो के नाम से जाना जाता है। इस परियोजना में पाँच जलप्रपात जलविद्युत स्टेशन शामिल हैं, जिसने भारत और बांग्लादेश जैसे निचले इलाकों के देशों में जल सुरक्षा और पारिस्थितिक प्रभावों को लेकर चिंताएँ पैदा कर दी हैं।

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार

- खड़गे बोले-पहलगाम आतंकी नहीं पकड़े गए, जवाब दें
- राज्यसभा से बिल ऑफ लैडिंग विधेयक 2025 पारित
- हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार 11 बजे तक स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मुद्दे पर लोकसभा में 16 और राज्यसभा में 9 घंटे बहस होगी। सदन के पहले दिन दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के बाद चर्चा का समय तय किया गया है। हालांकि अभी डेट तय नहीं है।

इधर, सत्र के पहले दिन राज्यसभा-लोकसभा में पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर हंगामा हुआ। विपक्ष ने इन मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी की। दिनभर में लोकसभा 4 बार स्थगित हुई, हंगामे के चलते सदन को मंगलवार 11 बजे तक स्थगित कर दिया गया।

राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में इंटेलिजेंस फेलियर हुआ।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव- लोकसभा के 145 सांसदों ने साइन किए- लोकसभा में 145 सांसदों ने जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के संबंध में स्पीकर ओम बिरला को याचिका सौंपी। जस्टिस वर्मा को हटाने वाली याचिका पर हस्ताक्षर करने वालों में राहुल गांधी, अनुराग ठाकुर, रविशंकर प्रसाद, सुप्रिया सुले और के सी वेणुगोपाल शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा- सदन के साथी रक्षा से संबंधित मुद्दों पर जितनी भी लंबी चर्चा चाहते हैं, हम तैयार है।

राहुल ने सरकार पर लगाया पक्षपात का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हंगामे और स्थगन के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष का नेता होने के बावजूद उन्हें लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राहुल ने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा, रक्षा मंत्री और सरकार के अन्य लोगों को बोलने की इजाजत है, लेकिन विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा।

बांग्लादेश वायुसेना का विमान कॉलेज परिसर में गिरा, 19 लोगों की मौत, 160 घायल

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश वायुसेना का विमान एफ-7 बीजीआई ढाका के उत्तरा क्षेत्र के दियाबारी इलाके में माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में गिर गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हादसे में 19 लोगों की मौत हुई है, जबकि करीब 160 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई बच्चे बताए जा रहे हैं।

इस विमान हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में चीख-पुकार मच गई। विमान हादसे में अभी तक 19 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, बच्चों समेत 160 से अधिक लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। मृतकों में कई शिक्षक और छात्र शामिल हैं।

मीडिया के अनुसार, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी के एक डॉक्टर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि बच्चों और वयस्कों सहित 50 से ज्यादा लोग झुलसने के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना ढाका के उत्तरी इलाके उत्तरा में माइलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज में हुई। इस हादसे ने लोगों को हिलाकर कर रख दिया है।

मुंबई में एअर इंडिया का विमान रनवे से फिसला

भारी बारिश के कारण लैंडिंग के समय हादसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह एअर इंडिया का एआई 2744 प्लेन लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया। ये विमान कोच्चि से मुंबई आया था। मुंबई में भारी बारिश के कारण रनवे पर फिसलन था, जिससे विमान रनवे से 16 से 17 मीटर दूर घास पर चला गया। ये हादसा सुबह 9:27 बजे हुआ। विमान के दाहिने इंजन के नैसेल (ढक्कन) को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बावजूद विमान को पार्किंग तक लाया गया, जहां सभी यात्री और क्रू मेंबर्स को उतारा गया।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक

अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री रहे मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र से शुरू गया है, एक तरफ जहां विपक्ष कई मुद्दों को लेकर सदन में बार-बार हंगामा करता रहा, वहीं सरकार ने भी विपक्ष के आरोपों का जवाब देने की कोशिश की। इस सब के बीच पीएम मोदी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें तमाम केंद्रीय मंत्री भी शामिल रहे।

संसद के मानसून सत्र का पहला दिन काफी हंगामेदार रहा। सरकार और विपक्ष एक दूसरे पर तमाम मुद्दों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आए। वहीं, संसद भवन में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई मंत्री शामिल हुए।

संसद के कामकाज को लेकर हुआ मंथन- **सूत्र-** सूत्रों के अनुसार, यह बैठक संसद सत्र को लेकर आयोजित की गई थी, जिसमें सत्र की रूपरेखा, विधायी एजेंडा और विपक्ष से संभावित रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

मोदी बोले- आईएसएस पर तिरंगा लहराना देशवासियों के लिए गौरव का पल

नईदिल्ली (एजेंसी)। मोदी ने कहा- एस्ट्रोनॉट शुभांशु को बधाई, उन्होंने पहली बार इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में तिरंगा लहराया। आईएसएस पर भारत का तिरंगा लहराना देशवासियों के लिए गौरव का पल है।

हम तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने जा रहे- पीएम मोदी ने आगे कहा- 2014 के पहले वैश्विक अर्थव्यवस्था में हम 10वें नंबर पर थे, आज तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने पर दस्तक दे रहे हैं। इन दिनों 25 करोड़ गरीबों का गरीबी से बाहर निकलने की सराहना हो रही है। एक जमाना था, जब महंगाई दर डबल डिजिट में होती थी, आज 2 प्रतिशत के पास है, इससे सामान्य आदमी की जीवन में राहत है। लो इन्फ्लेशन के साथ हाई ग्रोथ अच्छी विकास यात्रा की दिशा है।

बम-बंदूक और पिस्तौल के सामने संविधान विजयी हो रहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन में कहा- देश कई प्रकार की हिंसक वारदातों का शिकार रहा है। चाहे आतंकवाद हो, नक्सलवाद हो। कोई शुरुआत में हुआ, कोई बाद में, आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है। इसे जड़ से उखाड़ने के संकल्प के साथ एक नए आत्मविश्वास, तेज गति से सफलता की ओर कदम रख रहे हैं।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन का 101 साल की उम्र में निधन

नईदिल्ली (एजेंसी)। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री अच्युतानंदन का निधन हो गया है। उन्होंने 101 साल की उम्र में प्राइवेट अस्पताल में ली अंतिम सांस ली। वे केरल के एक बहुत बड़े और प्रभावशाली कम्युनिस्ट नेता थे। उनका पूरा नाम वेलिक्कथु शंकरन अच्युतानंदन था। वीएस ने अपना राजनीतिक सफर 1939 में ट्रेड यूनियन के माध्यम से शुरू किया था। इसके बाद वे 1940 में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। मुख्यमंत्री बनने से पहले वे 15 वर्षों तक केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे थे, जो उनकी राजनीतिक ताकत को दर्शाता है।

वैष्णो देवी यात्रा रुकी, पुराने रूट पर रियासी में भूस्खलन,1 की मौत 9 घायल, मुंबई में सड़कों पर पानी भरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में रविवार रात से भारी बारिश हो रही है। चंबा जिले की चडी पंचायत में पहाड़ी से घर पर बड़ा पत्थर गिरने से दंपती की मौत हो गई। इनकी 5 महीने पहले ही शादी हुई थी। आज हिमाचल के 4 जिलों के 9 सब डिवीजन में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सोमवार सुबह वैष्णो देवी के पुराने रास्ते पर भूस्खलन हुआ, जिसमें 1 यात्री की मौत हो गई, 9 श्रद्धालु घायल हो गए। खबर लिखे जाने तक यात्रा रोक दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की ईडी को फटकार

सिद्धारमैया की पत्नी को समन भेजने पर कहा- राजनीतिक लड़ाई चुनाव तक ठीक, इसके लिए एजेंसियों का इस्तेमाल क्यों

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को फटकार लगाते हुए कहा कि राजनीतिक लड़ाइयां चुनाव में लड़ी जानी चाहिए, जांच एजेंसियों के जरिए नहीं। ईडी का इस तरह इस्तेमाल क्यों हो रहा है?

ये टिप्पणी सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने सोमवार को मैसूर अर्बन डेवलपमेंट बोर्ड (एमयूडीए) केस में ईडी की अपील की सुनवाई के दौरान की। सीजेआई ने कहा कि हमारा मुंह मत खुलवाइए। नहीं तो हम ईडी के बारे में कठोर टिप्पणियां करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। दरअसल, ईडी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को एमयूडीए केस में समन भेजा था। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मार्च में यह समन रद्द कर दिया था। ईडी ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने आखिर में ईडी की अपील खारिज कर दी।

पन्नू बोला-अमेरिका में 15 अगस्त को खालिस्तान फ्रीडम रैली निकालेंगे

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी करके 15 अगस्त को अमेरिका खालिस्तान फ्रीडम रैली निकालने का ऐलान किया है। रैली अमेरिकी की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के बाहर निकाली जाएगी। इसके दो दिन बाद यहीं खालिस्तान के समर्थन में जनमत संग्रह किया जाएगा। वीडियो में पन्नू ने तिरंगा जलाने की भी धमकी देते हुए कहा- तुमने पाकिस्तान पर हमला किया और वो बच गया। हम हिंदुस्तान को तबाह कर देंगे।

इंदौर में इंडिगो विमान की आपात लैंडिंग : 140 यात्री सुरक्षित

इंदौर (एजेंसी)। सोमवार को इंडिगो की गोवा-इंदौर फ्लाइट (6E 813) को अंडर-कैरिज वॉर्निंग के कारण इंदौर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करनी पड़ी। विमान में सवार सभी 140 यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, इंडिगो की यह फ्लाइट निर्धारित समय 2:40 PM के बजाय 3:14 PM पर गोवा से रवाना हुई थी। शाम 5:08 PM पर जब यह इंदौर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के करीब पहुँची, तो पायलट ने देखा कि विमान का हाइड्रोलिक सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहा है। पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को अंडर-कैरिज वॉर्निंग की सूचना दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बर्बादी

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है

(लेखक- डॉ. आशीष वशिष्ठ)

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान-सम्मान पर बेजा टीका-टिप्पिणयां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष-विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है।

2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता।

विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए 'से नो टू वॉर' कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं?

इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे।

संपादकीय

बुजुर्गों पर संकट

निर्विवाद रूप से जलवायु परिवर्तन से उपजी चुनौतियों का सामना आज समाज का हर वर्ग कर रहा है। खासकर विकासशील व गरीब देशों की स्थितियां विकट हैं जहां पर्यावरणीय प्रदूषण व लचर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते स्थिति गंभीर बनी हुई है। विशेष तौर पर इन दिनों जब अमेरिका-यूरोप समेत एशिया के तमाम देश भीषण गर्मी की चपेट में हैं। लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर विभिन्न रोगों से जूझ रहे बुजुर्गों पर ज्यादा पड़ रहा है। जिसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनइपी की ताजा रिपोर्ट करती है। चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि बीती सदी में नब्बे के दशक के बाद से लेकर अब तक भीषण गर्मी से बुजुर्गों की मौत में पिच्चासी फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, यूएनइपी की यह रिपोर्ट बुजुर्गों के समक्ष दरपेश गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा करती है। यह संकट लचर स्वास्थ्य सेवाओं व प्रदूषित वातावरण वाले गरीब व विकासशील मुल्कों में ज्यादा है। दरअसल, बुजुर्गों पर बढ़ते इस संकट की मूल वजह बड़ी उम्र में आंतरिक तापमान को नियंत्रण में करने की क्षमता घटना है। जिससे वे मौसम की तीव्रता को सहन नहीं कर पाते। फलतः गर्मी व ठंड की तीव्रता को सहन करने में उनका शरीर सक्षम नहीं हो पाता। कुल मिलाकर उनकी कम होती रोग प्रतिरोधक क्षमता गंभीर बीमारियों का कारण बनती है। वैसे भी मौसम के चरम का असर उन लोगों के लिये ज्यादा संवेदनशील होता है जो बढ़ती उम्र के रोगों से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहे देशों को बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना चाहिए। दरअसल, पर्यावरण प्रदूषण इस संकट को और गहरा कर रहा है। खासकर शहरों में स्थिति ज्यादा विकट है, जहां बुजुर्ग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रलोभन में आ बसते हैं। फलतः मरीजों के दबाव से स्वास्थ्य सेवाएं भी चरमराने लगती हैं। जिसकी कीमत बुजुर्गों को चुकानी पड़ती है। सेवानिवृत्ति के बाद व्यक्ति की आय कम हो जाती है, फलतः शारीरिक क्षमता में गिरावट के बाद बढ़ती उम्र के रोगों का इलाज करा पाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यदि उनके बच्चे उनका साथ नहीं देते तो उनके लिए संकट और गहरा जाता है। निस्संदेह, बुनियादी ढांचे को मजबूत करके स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ती व सर्व सुलभ बनाने की भी जरूरत है। जिससे संवेदनशील वर्ग के संकट के समाधान में मदद मिल सके। ऐसे में बुजुर्गों की भागीदारी सामाजिक कार्यक्रमों व आय के साधन जुटाने में बढ़ाई जानी चाहिए। जिससे शारीरिक गतिशीलता से उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके। दरअसल,बढ़ती उम्र व बीमारियां उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करती हैं। निस्संदेह, यदि वैश्विक तापमान में और वृद्धि होती है, तो बुजुर्गों के लिये ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के घातक परिणाम हो सकते हैं। यूएनइपी की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापमान में यदि औद्योगिक समय के बाद से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो वर्ष 2050 के बाद बुजुर्गों की मौत के प्रतिशत में तीन सौ फीसदी से अधिक की वृद्धि हो सकती है। इस आसन्न संकट से योजनाबद्ध प्रयासों से ही निबटा जा सकता है।

भारत में डिजिटल निजता की चिंता और डेटा संरक्षण कानून की अनिवार्यता

(लेखक-डॉ. शैलेश शुक्ला)

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां तकनीकी प्रगति अपने चरम पर है। डिजिटल भारत का सपना अब केवल एक सरकारी नारा नहीं, बल्कि आम नागरिक की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, डिजिटल पेमेंट्स और सोशल मीडिया का विस्तार इतना व्यापक हो चुका है कि देश की एक बड़ी आबादी अब हर क्षण डिजिटल रूप से जुड़ी रहती है। लेकिन इस डिजिटल विकास की चमक के पीछे एक गंभीर खतरा भी छिपा है — नागरिकों की निजता और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा। हर बार जब कोई उपयोगकर्ता किसी वेबसाइट पर लॉगिन करता है, किसी ऐप को डाउनलोड करता है या सोशल मीडिया पर कोई जानकारी साझा करता है, तब वह जाने-अनजाने में अपना निजी डेटा विभिन्न कंपनियों और संस्थाओं को सौंप रहा होता है। यह डेटा न केवल उनकी पहचान, स्थान और आदतों से जुड़ा होता है, बल्कि कई बार उनकी संवेदनशील जानकारी जैसे बैंक डिटेल्स, हेल्थ रिकॉर्ड्स और पर्सनल कॉन्वर्सेशन तक को शामिल करता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या आम नागरिक को पता है कि उसका डेटा कहां जा रहा है, किसके पास जमा हो रहा है और उसका उपयोग कैसे किया जा रहा है? भारतीय संदर्भ में निजता का अधिकार लंबे समय तक एक अस्पष्ट विचार रहा। लेकिन 2017 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने इसे मौलिक अधिकार घोषित कर एक नई दिशा दी। अदालत ने कहा कि निजता, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न हिस्सा है। यह निर्णय उस समय आया जब आधार जैसी योजनाओं के माध्यम से सरकार बड़े पैमाने पर नागरिकों की जानकारी एकत्र कर रही थी। हालांकि, यह फैसला अपने-आप में एक बड़ी जीत था, पर यह स्पष्ट था कि केवल एक न्यायिक घोषणा से डिजिटल निजता की रक्षा नहीं हो सकती। भारत को एक स्पष्ट, सख्त और व्यावहारिक डेटा संरक्षण कानून की आवश्यकता थी जो कंपनियों और सरकारी एजेंसियों दोनों को जवाबदेह बना सके। खासकर ऐसे समय में जब तकनीकी कंपनियां उपयोगकर्ताओं की जानकारी को बिना उनकी सहमति के इस्तेमाल कर विज्ञापनों, सिफारिशों और विश्लेषणों के लिए बेच रही थीं। इसके अलावा साइबर अपराध, डेटा लीक और रैंसमवेयर अटैक जैसे खतरे भी निरंतर बढ़ते जा रहे थे। यूरोप जैसे देशों में जहां जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन (जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन) जैसे कानून नागरिकों को उनके डेटा पर पूरा अधिकार देते हैं, भारत लंबे समय तक ऐसे किसी व्यापक कानून के अभाव में रहा। हालांकि 2000 में बना सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम कुछ हद तक साइबर अपराधों को नियंत्रित करता है, लेकिन यह कानून डेटा संग्रह, उपयोग, संरक्षण और सहमति के बारीक पहलुओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करता। नतीजतन, टेक कंपनियों और यहां तक कि सरकारी एजेंसियों द्वारा भी बार-बार नागरिकों की निजता का उल्लंघन होता रहा। इसी को देखते हुए 2017 में क्रह्म. श्रीकृष्णा समिति का गठन किया गया, जिसने 2018 में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में डेटा को नया तेल कहा गया और एक स्वतंत्र डेटा संरक्षण प्राधिकरण की सिफारिश की गई। यह समिति नागरिकों को उनके डेटा पर नियंत्रण देने और कंपनियों को जवाबदेह बनाने के लिए एक व्यापक कानूनी ढांचे की वकालत करती रही।

इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि 2023 में भारत सरकार ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट पारित किया। यह कानून न केवल भारत का पहला समर्पित डेटा संरक्षण कानून है, बल्कि यह देश में डिजिटल अधिकारों की नींव को सशक्त करता है। इस कानून की सबसे बड़ी विशेषता है — उपयोगकर्ता की स्पष्ट सहमति। अब कोई भी संस्था, कंपनी या एजेंसी आपकी व्यक्तिगत जानकारी तभी एकत्र कर सकती है जब आप उसकी स्पष्ट अनुमति दें और वह अनुमति पारदर्शी भाषा में मांगी जानी चाहिए। साथ ही, उपयोगकर्ता को यह अधिकार भी प्राप्त होगा कि वह कभी भी अपनी सहमति वापस ले सके। इस कानून में एक स्वतंत्र डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड की भी स्थापना की गई है जो कानून उल्लंघन के मामलों की जांच करेगा और दोषियों को दंडित करेगा। इसके अतिरिक्त, इस कानून के अंतर्गत डेटा उल्लंघन की स्थिति में कंपनियों को समय पर सूचना देना अनिवार्य बनाया गया है — जो अब तक भारतीय परिप्रेक्ष्य में अभूतपूर्व कदम है।

हालांकि कानून बनना एक सराहनीय कदम है, लेकिन असली चुनौती इसके प्रभावी कार्यान्वयन की है। भारत जैसे विशाल और विविधता-भरे देश में जहां डिजिटल साक्षरता अब भी एक चुनौती है, वहां नागरिकों को यह बताना आवश्यक होगा कि उनका डेटा कितना कीमती है और कैसे वे अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही, निजी कंपनियों और विशेष रूप से विदेशी टेक्नोलॉजी दिग्गजों को भी यह स्पष्ट संकेत देना जरूरी है कि भारत में कारोबार करना है तो भारतीय कानूनों और नागरिकों की निजता का सम्मान करना होगा। इसके लिए सरकार को चाहिए कि वह एक मजबूत नियामक तंत्र बनाए, जो पारदर्शी, स्वतंत्र और जवाबदेह हो। भविष्य की ओर देखते हुए, यह समझना होगा कि हम जिस कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और ऑटोमेशन की ओर बढ़ रहे हैं, उसमें निजता और डेटा सुरक्षा और भी जटिल विषय बनते जाएंगे। स्मार्ट डिवाइस, हेल्थ मॉनिटरिंग गजेट्स और वर्चुअल असिस्टेंट्स हमारे जीवन के हर पहलू को डेटा में बदल रहे हैं। इसलिए अब आवश्यकता है कि हम एक ऐसी नीति और कानून विकसित करें जो केवल आज की समस्याओं का समाधान न करे, बल्कि भविष्य के डिजिटल परिदृश्य को भी ध्यान में रखे। भारत को एक ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जो टेक्नोलॉजी और निजता के बीच संतुलन बना सके — और यही एक सशक्त, आत्मनिर्भर और सुरक्षित डिजिटल भारत की बुनियाद बनेगी।

डिजिटल युग में डेटा और निजता अब केवल तकनीकी या कानूनी विषय नहीं रह गए हैं, बल्कि वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आ गए हैं। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जहां नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है, वहां निजता का उल्लंघन न केवल संवैधानिक संकट पैदा करता है, बल्कि लोकतंत्र की नींव को भी हिला सकता है।

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 इस दिशा में एक साहसी और प्रशंसनीय कदम है, लेकिन यह केवल शुरुआत है। कानून अपने आप में तब तक प्रभावी नहीं होता जब तक उसे ईमानदारी, पारदर्शिता और नागरिक सहभागिता से लागू न किया जाए। इसके लिए सरकार, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को मिलकर काम करना होगा।

चिंतन मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रूपये पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाप और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके।

अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें।

भागवत् कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

विचार मंथन

सत्ता पक्ष और विपक्ष चर्चा के लिए तैयार? नियमों पर घमासान

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा और राज्यसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया है। मानसून सत्र शुरू होने के पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बैठक भी हुई। सत्ता पक्ष ने कहा हम किसी भी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। विपक्ष ने जिन मुद्दों पर वह चर्चा कराना चाहता है उसके बारे में लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय को अवगत कराते हुए ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम की घटना पर काम रोको प्रस्ताव की सूचना दी है। जैसा पिछले 11 वर्षों से होता आया है, सरकार काम रोको प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करना चाहती है। सरकार हमेशा यह कहती है वह सभी मामलों में चर्चा करने के लिए तैयार है। आसंदी कहती है धारा 167 के अंतर्गत चर्चा करने की अनुमति विपक्ष को दी जाएगी। विपक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी काम रोको प्रस्ताव को आसंदी द्वारा निरस्त कर दिया जाता है। नियमों के कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष में हो हल्ला और हंगामा होता है। सदन की कार्यवाही नहीं चल पाती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में एक-दूसरे के ऊपर यह आरोप लगाया जाता है, कि सरकार सदन के अंदर चर्चा नहीं करना चाहती है। सरकार विपक्ष के ऊपर आरोप लगाती है, विपक्ष सदन की कार्रवाई में भाग लेने के स्थान पर हंगामा करता है। लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी से भी विपक्ष को यही सीख मिलती है। विपक्ष को धारा 167 के अंतर्गत चर्चा कराने का अवसर आसंदी देगी। मणिपुर में जो हिंसा हुई थी उसको लेकर भी कई दिनों तक सदन की कार्रवाई नहीं चल पाई थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी-अपनी बातों पर अड़ा रहा, जिसके कारण संसदीय कार्य प्रभावित हुआ। आखिर चर्चा भी काम रोको प्रस्ताव पर नहीं हो पाई। विपक्ष मणिपुर की हिंसा मामले पर प्रधानमंत्री के बयान को लेकर खड़ा रहा। संसद के दोनों सदनों में लगभग दो सप्ताह तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में प्रतिरोध बना रहा। उसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष ने अपना एक-एक कदम पीछे खींचा। सदन में नियम 167 के अंतर्गत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने सदन के अंदर अपना बयान दिया। अब स्थितियां बदल गई हैं। पहले की तुलना में विपक्ष मजबूत हुआ है। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम की घटना तथा बिहार में जो स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन हो रहा है को लेकर दोनों सदनों में काम रोको प्रस्ताव सदन में पेश किया है। विपक्ष अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है। मानसून सत्र के पहले ही दिन सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित हुई। विपक्ष के पास इस बार बहुत सारे ऐसे मुद्दे हैं जिसके बल पर वह सरकार को अपदस्थ होते हुए देखना चाहते हैं। इसके लिए विपक्ष ने सामूहिक रणनीति तैयार की है। सत्ता पक्ष को जिन सहयोगी राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है, उनमें से तेलुगु देशम पार्टी मतदाता सूची में जिस तरह से चुनाव आयोग बिहार में काम कर रहा है उसके प्रति उन्होंने असहमति व्यक्त करते हुए चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। भारतीय जनता पार्टी अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष 1 साल से ज्यादा का समय हो गया चुन नहीं पा रही है। सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच में जिस तरह की तलखी देखने को मिल रही है, भारतीय जनता पार्टी के अंदर भी विवाद की स्थिति देखने को मिल रही है। पहलगाम की घटना ऑपरेशन सिंदूर तथा बिहार में मतदाता सूची का सघन पुनरीक्षण के नाम पर विपक्ष के हाथ ऐसे मुद्दे लग गए हैं जो सरकार को नुकसान पहुंचा सकते हैं। विपक्ष अपनी पूरी ताकत के साथ इस बार सरकार के खिलाफ आर या पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार दिख रहा है। वहीं सरकार ने भी विपक्ष के इस रूख को समझ लिया है। सरकार भी आक्रामक मुद्रा में है। इसके साथ ही सरकार ने बचाव की रणनीति अपना रखी है। मानसून सत्र के दौरान 23 और 24 जुलाई को प्रधानमंत्री विदेश के दौरे पर जा रहे हैं। इससे विपक्ष भड़क गया है। विपक्ष का कहना है कि जब मानसून सत्र चल रहा है, ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री का विदेश जाना यह बताता है कि उनके लिए संसद की कोई अहमियत नहीं है। वह अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। जवाब देने से बच रहे हैं। मानसून सत्र में जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है उससे ऐसा लगता है विपक्ष इस बार काम रोको प्रस्ताव को मंजूर कराकर ही मानेगा। नियम 167 के अंतर्गत सरकार चर्चा करने की अनुमति देती है तो ऐसी स्थिति में सदन के अंदर बहस की अनुमति नहीं होती है। संसद सदस्य अपनी बात सदन के अंदर रख पाते हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी राय रखते हैं। सरकार की ओर से जवाब भी आ जाता है। इस नियम के अंतर्गत बहस की अनुमति नहीं होती है, जिसके कारण विपक्ष को इसका कोई लाभ नहीं हो पाता है वहीं सरकार को भी कोई खतरा नहीं होता है। धारा 167 के अंतर्गत कराई गई बहस में मतदान नहीं हो सकता है। इस बार मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में आर-पार की लड़ाई लड़ने की स्थिति बन गई है। अब देखना यह है कि मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष अपना कौशल किस तरह से दिखाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुवैत और भारत के बीच हवाई सेवा क्षमता में 50 फीसदी बढ़ोतरी पर समझौता

नई दिल्ली । कुवैत और भारत ने एक नए द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच हवाई यात्रा की क्षमता में 50 प्रतिशत तक वृद्धि होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार अब दोनों देशों की एयरलाइन कंपनियों को प्रति सप्ताह प्रत्येक दिशा में 18,000 सीटें संचालित करने की अनुमति मिलेगी, जो पहले 12,000 सीटों तक सीमित थी। यह पहला मौका है जब 2006 के बाद से इस सीमा में वृद्धि की गई है। कुवैत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के अध्यक्ष शेख हमूद मुबारक अब सबाह और भारत के नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। 2006 में आखिरी बार हवाई सेवा क्षमता को बढ़ाकर 8,320 सीटें की गई थीं, लेकिन अब यह संख्या काफी बढ़ गई है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों का संकेत है।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स का आईपीओ 24 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली । दक्षिण भारत की प्रमुख होटेल डेवलपर ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 85 से 90 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। कंपनी 24 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक आईपीओ के लिए आवेदन स्वीकार करेगी। एंकर निवेशक 23 जुलाई को बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ पूर्णतः नए शेयर जारी करने पर आधारित है, इसमें कोई ऑफर फॉर सेल शामिल नहीं है। आईपीओ का कुल आकार 749.6 करोड़ रुपये है। जेएम फाइनेंशियल और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज इस प्रस्ताव के प्रबंधक हैं। कंपनी के शेयर 31 जुलाई को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हो सकते हैं। ब्रिगेड होटल वेंचर्स ने हाल ही में 360 वन अल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट को शेयर बेचकर 126 करोड़ की फंडिंग भी प्राप्त की है। यह कदम कंपनी के विस्तार और विकास में मदद करेगा।

त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए एडीबी देगा 975 करोड़

अगरतला । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 975.26 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया है। त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम (टीआईडीसी) के चेयरमैन ने बताया कि इस परियोजना के तहत औद्योगिक शेड, बिजली सबस्टेशन, भूमिगत बिजली लाइन, अग्निशमन सेवा स्टेशन और 34 सड़कों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एडीबी द्वारा यह ऋण त्रिपुरा के औद्योगिक क्षेत्रों को विश्वस्तरीय बनाने में मदद करेगा और परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस योजना के अंतर्गत बोधजंगनगर, आर.के. नगर, दुकली और ए.एन. नगर समेत कुल नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार ने दक्षिण त्रिपुरा के संतिरबाजार में 127 एकड़ और उनाकोटी जिले के फटीक्रोय में 28 एकड़ भूमि औद्योगिक क्षेत्रों के लिए आवंटित की है। टीआईडीसी ने इन नए क्षेत्रों में सीमांकन और बुनियादी ढांचा निर्माण का काम शुरू कर दिया है ताकि उद्योगों के लिए भूमि लंबे समय तक खाली न पड़े। वर्तमान में राज्य में दो प्लाईवुड निर्माण इकाइयां संचालित हो रही हैं, और भविष्य में सात और नई इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई गई है। यह निवेश त्रिपुरा के औद्योगिक विकास को तेजी से बढ़ावा देगा, रोजगार के अवसर बढ़ाएगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा।

अमेजन वेब सर्विसेज ने फिर की कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली ।

अमेजन एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी को लेकर चर्चा में है। इस बार अमेजन की क्लाउड यूनिट अमेजन वेब सर्विसेज ने सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। बताया जा रहा है कि यह छंटनी सिर्फ शुरुआत है और साल के अंत तक इसमें और तेजी आ सकती है। एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कहना है कि एडब्ल्यूएस में कुल कर्मचारियों की संख्या का करीब 10 फीसदी हिस्सा और प्रिंसिपल-लेवल की 25 फीसदी नौकरियां इस छंटनी की चपेट में आ सकती हैं। अमेजन यह कदम लागत कम करने, संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने और प्रदर्शन में सुधार के उद्देश्य से उठा रही है। इसके लिए कंपनी परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट प्लान और रिडक्शन इन फोर्स जैसे उपायों को लागू कर रही है। बताया जा रहा है कि एडब्ल्यूएस के अंदर ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन सहित कई यूनिट्स के कर्मचारी छंटनी की चपेट में आए हैं। इस बार सीनियर लेवल के प्रिंसिपल भी निशाने पर हैं। यह वे पद होते हैं, जिन पर सबसे ज्यादा वेतन और सुविधाएं दी जाती हैं। अब इन्हें भी बचाया नहीं

जा रहा है। छंटनी का एक बड़ा कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भी है। अमेजन के सीईओ ने हाल ही में कहा था कि एआई के आने से कुछ कामों के लिए अब कम लोगों की जरूरत है, और कुछ नए कामों के लिए नए तरह के लोगों की जरूरत होगी।

एंथम बायोसाइंसेज का शेयर 27 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड का शेयर सोमवार को अपने निर्गम मूल्य 570 रुपये से करीब 27 प्रतिशत की तेजी के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 723.10 रुपये पर शुरू हुआ, जो निर्गम मूल्य से 26.85 प्रतिशत अधिक था। बाद में यह 746.70 रुपये तक पहुंच गया, जो 31 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। एनएसई पर भी शेयर 723.05 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 40,716.73 करोड़ रुपये रहा। इसका आईपीओ 3,395 करोड़ रुपये का था, जिसे बोली के अंतिम दिन तक 63.86 गुना अभिदान मिला। आईपीओ का मूल्य दायरा 540-570 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश पर आधारित था, इसलिए कंपनी को इस निर्गम से कोई राशि प्राप्त नहीं होगी। बेंगलुरु स्थित यह कंपनी बायोटेक क्षेत्र में तेजी से उभर रही है और निवेशकों में अच्छी पकड़ बना रही है।

रिलायंस रिटेल से अलग होगा 4400 करोड़ वाला एफएमसीजी कारोबार

- सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज अब अपने एफएमसीजी कारोबार को एक अलग स्वतंत्र कंपनी के रूप में स्थापित करने जा रही है। यह यूनिट अभी तक रिलायंस रिटेल लिमिटेड का हिस्सा है, लेकिन कंपनी ने इसे अलग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसके लिए सरकारी मंजूरी ली जा रही है। संभावना है कि यह काम साल 2025 के अंत तक पूरा हो जाएगा। रिलायंस रिटेल के सीएफओ ने पहली तिमाही 2025 के नतीजों के बाद बताया कि कंपनी के एफएमसीजी बिजनेस ने 4,400 करोड़ का रेवेन्यू दर्ज किया है, जो पिछले साल की तुलना में लगभग दोगुना है। उन्होंने बताया कि ग्रॉसरी और फैशन सेगमेंट्स ने शानदार प्रदर्शन किया है, जबकि कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स पर मानसून की जल्दी शुरुआत का थोड़ा असर पड़ा। कंपनी ने इस तिमाही में 388 नए स्टोर खोले, जिससे अब रिलायंस रिटेल के स्टोर्स की संख्या 19,600 से अधिक हो गई है। साथ ही, ट्रांजैक्शनों की संख्या में 16 फीसदी की सालाना वृद्धि देखी गई। एफएमसीजी प्रोडक्ट्स की लगभग 70 फीसदी बिक्री देशभर की छोटी किराना दुकानों से होती है। इसके साथ ही कंपनी ने खुद का एक मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क भी तैयार कर लिया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 442, निफ्टी 122 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी से बाजार में ये बढ़त आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 442.61 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,200.34 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 122.30 अंकों की बढ़त के साथ ही 25,090.70 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 18 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं अन्य सभी 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसी प्रकार, निफ्टी 50 की 50 में से 28 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 21 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये है। वहीं एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 5.38 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे अधिक 3.29 फीसदी गिरे।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 2.76 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 2.19 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.75फीसदी, बीईएल 1.37 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.14 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.06 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.05 फीसदी, एलएंडटी 1.05 फीसदी, पावरग्रिड 1.04 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर, आज एचसीएल टेक के शेयरों में 1.21 फीसदी , टीसीएस 0.99 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.97 फीसदी , आईटीसी 0.59 फीसदी , मारुति सुजुकी 0.फीसदी , टेक महिंद्रा 0.31 फीसदी और एनटीपीसी के शेयरों में 0.16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच बाजार हल्की बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 12.1 अंक की बढ़त के साथ 81,769.83 के स्तर पर खुला। वहीं एनएसई निफ्टी हल्की गिरावट के साथ 25,958 पर खुला। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.49 फीसदी उछला है जबकि एएसएक्स 200 फीसदी गिरा। अमेरिकी इक्विटी फ्यूचर्स शुरुआती एशियाई घंटों में गिरावट के साथ बंद हुआ। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.06 फीसदी बढ़ा, नैस्डैक 100 फ्यूचर्स 0.08 फीसदी बढ़ा और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स 24 अंक ऊपर आया।

भारत की यूपीआई सेवा बनी डिजिटल भुगतान की दुनिया में नंबर वन

- यूपीआई से हर महीने 18 अरब के लेनदेन, 49 करोड़ से ज्यादा यूजर्स

नई दिल्ली ।

भारत अब डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में सबसे आगे है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस सफलता का मुख्य आधार है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई शुरू किया था, जो आज भारत में पैसे भेजने और प्राप्त करने का सबसे तेज़, आसान और भरोसेमंद तरीका बन चुका है। यूपीआई की सबसे बड़ी खासियत है कि यह एक ही मोबाइल ऐप से कई बैंक खातों को जोड़ने की सुविधा देता है। इससे कोई भी व्यक्ति कुछ ही क्लिक में किसी भी बैंक में पैसे भेज या प्राप्त कर सकता है। जून 2025 तक यूपीआई के जरिए हर महीने लगभग 18.39 अरब लेन-देन होते हैं, जिनकी कुल रकम 24.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह पिछले वर्ष जून के मुकाबले 32 प्रतिशत की वृद्धि है। आज भारत में 49.1 करोड़ लोग और 65 लाख व्यापारी यूपीआई से जुड़े हैं। 675 बैंक यूपीआई नेटवर्क से जुड़े हैं, जिससे उपयोगकर्ता को बैंक के नाम की चिंता नहीं करनी पड़ती। भारत में डिजिटल लेन-देन का 85 प्रतिशत यूपीआई के जरिए होता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो दुनिया के आधे से अधिक रियल-टाइम डिजिटल भुगतान भारत के

यूपीआई से होते हैं। यूपीआई की सेवा यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरिशस जैसे सात देशों में शुरू हो चुकी है। विशेष रूप से फ्रांस में यूपीआई की शुरुआत यूरोप में इसका पहला कदम है, जिससे वहां के भारतीय प्रवासियों को भुगतान करना और भी आसान हो गया है।

एलएंडटी हरित हाइड्रोजन संयंत्र पानीपत रिफाइनरी में लगाएगा

नई दिल्ली । बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एलएंडटी एनर्जी ग्रीनटेक लिमिटेड के माध्यम से हरियाणा की पानीपत रिफाइनरी में देश का सबसे बड़ा हरित हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करेगी। यह परियोजना भारत सरकार के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत है, जिसका उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन में वैश्विक केंद्र बनाना है। संयंत्र 25 वर्षों तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) को प्रति वर्ष 10,000 टन हरित हाइड्रोजन की आपूर्ति करेगा। एलएंडटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह परियोजना भारत के ऊर्जा बदलाव में उनकी प्रतिबद्धता और स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदान करने की क्षमता को मजबूत करेगी। यह कदम देश में स्वच्छ ऊर्जा के विकास और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

विनफास्ट ने भारत में ईवी उत्पादन और निर्यात में दी टेस्ला को टक्कर

नई दिल्ली ।

वियतनाम की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी विनफास्ट ने भारत में अपनी तेज़ी से विस्तार की रणनीति के साथ टेस्ला को कड़ी टक्कर दी है। तमिलनाडु के तूत्तुक्कुडि में 2 अरब डॉलर के विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के करीब, कंपनी ने पहले ही नेपाल, श्रीलंका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के बाजारों से निर्यात ऑर्डर मिलने की जानकारी दी है। यह भारत के 'मेक इन इंडिया' अभियान को वैश्विक स्तर पर ले जाने का संकेत है। विनफास्ट का संयंत्र इस महीने के अंत तक उत्पादन शुरू करने की संभावना है, और आगामी त्योहारी सीजन तक वाहन की आपूर्ति शुरू हो सकती है। कंपनी की दो प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी–वीएनएफ 6 और वीएनएफ 7 की बुकिंग भी 21,000 में शुरू हो चुकी है। संयंत्र की शुरुआती उत्पादन क्षमता सालाना 1.5 लाख वाहन होगी, और अगले पांच वर्षों में 2 अरब डॉलर तक निवेश बढ़ाने की योजना है। भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात में तेजी से उभर रहा है। वित्त वर्ष 2025 में वाहन निर्यात 7,65,000 यूनिट तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष से 14 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2030 तक निर्यात हिस्सेदारी को 25 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं लागू हैं। वहीं टेस्ला ने भारत में पहला शोरूम तो खोला है, लेकिन विनफास्ट की तुलना में उसकी शुरुआत धीमी रही है। तूत्तुक्कुडि

हवाईअड्डे पर नई टर्मिनल बिल्डिंग के चालू होने के बाद विनफास्ट के निर्यात और उत्पादन में और तेजी आने की उम्मीद है। इस तरह, विनफास्ट भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है, जो देश को वैश्विक ईवी बाजार में नई पहचान दिला सकता है।

टेस्ला की भारत में प्रवेश से ईवी इंश्योरेंस सेक्टर में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला ने भारत में अपनी आधिकारिक शुरुआत करते हुए मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में पहला शोरूम खोला है। कंपनी ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वाय को लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआती कीमत 60 लाख रुपए रखी गई है। टेस्ला की एंट्री से न केवल ऑटो सेक्टर में हलचल मची है, बल्कि बीमा क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। टेस्ला की एडवांस टेक्नोलॉजी और हाई-परफॉर्मेंस बैटरी सिस्टम को देखते हुए कई बीमा कंपनियां अब पारंपरिक पॉलिसियों से आगे बढ़कर ईवी -केंद्रित कवरेज प्रदान कर रही हैं।

प्रमुख कंपनियों जैसे एसीकेओ, ज़्यूरिख कोटक और लिबर्टी जनरल ने टेस्ला के लिए फेवरेट इंश्योरेंस पार्टनर बनने की घोषणा की है। नई ईवी पॉलिसियों में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे वॉल-माउंटेड चार्जर, केबल और अडैप्टर को भी कवर किया जा रहा है। इसके साथ ही एक नया बैटरी सिक्योर ऐड-ऑन भी शामिल किया गया है, जो बैटरी की मरम्मत और बदलने की लागत को कवर करता है। इसके अलावा बीमा कंपनियां अब जीरो डिप्रिसिएशन, गैप वैल्यू प्रोटेक्शन, कंज़्युमेबल्स कवरेज, टायर और चाबी की सुरक्षा, पर्सनल सामान की सुरक्षा, ईएमआई सपोर्ट और पैसेंजर असिस्टेंस जैसी प्रीमियम सुविधाएं भी ऑफर कर रही हैं, ताकि टेस्ला जैसी लग्ज़री ईवी के अनुभव को सुरक्षित बनाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि टेस्ला की मौजूदगी भारत के ईसी इंश्योरेंस मार्केट में नई सोच और इनोवेशन को प्रेरित करेगी, जिससे उपभोक्ताओं को अधिक स्मार्ट और कस्टमाइज़्ड बीमा विकल्प मिलेंगे।

सेबी की मंजूरी के बाद जेन स्ट्रीट की भारतीय शेयर बाजार में वापसी

- अब हर लेनदेन पर रहेगी पैनी नजर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग (एचएफटी) फर्म जेन स्ट्रीट को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से फिर से ट्रेडिंग की अनुमति मिल गई है। यह मंजूरी तब मिली जब कंपनी ने नियामक के निर्देशों का पालन करते हुए 4,844 करोड़ रुपए की कथित अवैध कमाई को एस्क्रो खाते में जमा करा दिया। सेबी ने 3 जुलाई को एक अंतरिम आदेश में जेन स्ट्रीट पर भारतीय प्रतिभूति बाजार में ट्रेडिंग करने पर प्रतिबंध लगाया था। हालांकि आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया था कि यदि कंपनी एस्क्रो खाते में निर्धारित राशि जमा कर देती है, तो उस पर से प्रतिबंध हटा लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक सेबी ने पिछले सप्ताह ईमेल के जरिए कंपनी को प्रतिबंध हटाने की आधिकारिक सूचना दी। साथ ही कस्टोडियन, डिपॉजिटरी और स्टॉक एक्सचेंजों को भी इसकी जानकारी दे दी गई है। हालांकि, जेन स्ट्रीट के लिए पहले जैसी आसान ट्रेडिंग अब संभव नहीं होगी। सेबी ने निर्देश दिया है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज कंपनी के सभी लेनदेन और पोजिशन पर करीबी नजर रखें। साथ ही, जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी इकाइयों को किसी भी प्रकार की हेराफेरी से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई है। सेबी द्वारा जारी आदेश में जेन स्ट्रीट की कुछ ट्रेडिंग रणनीतियों का खुलासा किया गया है, जिससे उसके प्रतिस्पर्धात्मक लाभ पर असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी पारदर्शिता के बाद कंपनी के लिए भारतीय बाजार में पहले जैसा मुनाफा कमाना अब चुनौतीपूर्ण होगा।

एक्सेल साइबर सुरक्षा शिखर सम्मेलन 30 को बेंगलुरु में

नई दिल्ली ।

एक्सेल साइबर सुरक्षा शिखर सम्मेलन का दूसरा संस्करण 30 जुलाई 2025 को बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। इस बार शिखर सम्मेलन का मुख्य फोकस कृत्रिम मेधा (एआई) द्वारा संचालित खतरों से निपटने और भारत को वैश्विक साइबर सुरक्षा नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने पर होगा। इस आयोजन में प्रमुख मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी, साइबर सुरक्षा संस्थापक, क्लाउड आर्किटेक्ट, नीति निर्माता और निवेशक हिस्सा लेंगे। वे नवीनतम सुरक्षा तकनीकों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे, जो आज के डिजिटल युग में साइबर हमलों से बचाव के लिए जरूरी हैं। शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रारंभिक चरण के सुरक्षा उत्पादों को भी पेश किया जाएगा, जिससे स्टार्टअप्स और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। यह आयोजन अमेजन वेब सर्विसेज और गूगल क्लाउड के साथ साझेदारी में आयोजित किया जा रहा है, जो इसके तकनीकी स्तर और प्रभाव को और मजबूत बनाता है। एक्सेल के साझेदार ने बताया कि आज की साइबर सुरक्षा विश्वास, पैमाने और बुद्धिमत्ता का संगम है। जैसे-जैसे संगठन क्लाउड और एआई को अपना रहे हैं, साइबर हमलों का दायरा पारंपरिक सुरक्षा प्रणालियों की क्षमता से बढ़ रहा है, इसलिए नए और प्रभावी समाधानों की जरूरत है। शिखर सम्मेलन में एक्सेल साझेदार अरुण मैथ्यू, साइवेयर के सह-

संस्थापक एवं मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी अक्षत जैन, सदरलैंड के उपाध्यक्ष अनुराणा सुलाजा और स्टीलथ (पूर्व-चेकमार्क्स) के संस्थापक जैक जोर्नस्ट्रेन सहित कई विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निर्णायक मुकाबले में भारत को करना होगा इंग्लैंड की कड़ी चुनौती का सामना

चेस्टर ली स्ट्रीट (ब्रिटेन) (एजेंसी)। भारतीय टीम को लॉर्ड्स की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने गलत शॉट चयन के कारण दूसरे मैच में हार झेलनी पड़ी थी और अब यहां मंगलवार को होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उसे इंग्लैंड की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

भारत ने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से पहला मैच चार विकेट से जीता था, लेकिन शनिवार को लंदन में खेले गए बारिश से प्रभावित दूसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा, जिससे तीन मैचों की श्रृंखला अंतिम वनडे से पहले 1-1 से बराबरी पर है। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्व कप दो महीने बाद शुरू होने वाला है। वनडे का यह प्रतिष्ठित महिला टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा, जिसकी मेज़बानी श्रीलंका और भारत के पांच शहर करेंगे।

भारत की ऑलराउंड ताकत तथा कुछ खिलाड़ियों की अच्छी फॉर्म के कारण उम्मीद की जा रही थी कि वह दूसरे मैच में ही श्रृंखला अपने नाम कर देगा लेकिन खराब शॉट चयन और परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में असमर्थता ने उसकी योजनाओं पर पानी फेर दिया और 29 ओवर के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वह आठ विकेट पर 143 रन ही बना सका। भारतीय गेंदबाज भी असफल रहे और इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने काफी ओवर शेष रहते आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

अब निर्णायक मुकाबले से पहले भारतीय टीम को कुछ विभागों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर विचार विमर्श करना होगा। उप-कप्तान स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा को छोड़कर भारत के अन्य बल्लेबाज सोफी एक्लेस्टोन, एम अर्लट और लिंसी स्मिथ जैसे गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए और उसके गेंदबाज भी अपेक्षानुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए। एक्लेस्टोन की सटीक गेंदबाजी के कारण भारतीय बल्लेबाजों को

विशेषकर स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा और वे चेस्टर ली स्ट्रीट में धीमी गति के गेंदबाजों के खिलाफ निश्चित रूप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे।

भारत को अगर श्रृंखला जीतनी है तो भारत मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, प्रतीका रावल और हरलीन देओल में से कम से कम दो खिलाड़ियों को बड़ी पारी खेलने की जरूरत होगी। निचले क्रम में रिचा घोष और दीप्ति को उन्हें सहयोग देना होगा। जहां तक इंग्लैंड का सवाल है तो वह श्रृंखला के पहले मैच के बाद की तुलना में काफी बेहतर स्थिति में है। उसे गेंदबाजी में एक्लेस्टोन तथा अर्लट और बल्लेबाजी में एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट तथा कप्तान नैट साइवर ब्रंट से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंड = नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, केट क्रॉस, एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स, एम्मा लैम्ब, लिंसी स्मिथ।

ओवेन और ग्रीन ने दिलाई जीत, ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 मैच में वेस्टइंडीज को हराया

किंग्स्टन (जमैका) (एजेंसी)। मिशेल ओवेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने डेब्यू मैच में अर्धशतक जमाया और एक विकेट लिया जिससे ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला के पहले मैच में तीन विकेट से जीत दर्ज की।

ओवेन ने 27 गेंद पर छह छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। उन्होंने कैमरन ग्रीन (26 गेंदों पर 51 रन, दो चौके, पांच छक्के) के साथ पांचवें विकेट के लिए 40 गेंदों पर 80 रन की साझेदारी की, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को खेले गए मैच में सात गेंद शेष रहते 190 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया।

वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी थी आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 189 रन बनाए। उसकी शुरुआत अच्छी रही लेकिन अंतिम नौ गेंदों पर पांच रन पर चार विकेट गंवाने के कारण वह 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 36 रन देकर चार विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने चार गेंदों में तीन विकेट हासिल किए।

जेसन होल्डर ने उनकी हैट्रिक नहीं बनने दी लेकिन वह अगली गेंद पर आउट हो गए। वेस्टइंडीज के शीर्ष चार बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की। रोस्टन चेज ने 32 गेंदों पर 60 रन बनाए और शाई होप (55) के साथ दूसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की। उनके अलावा शिमरोन हेटमायर ने 38 रन का योगदान दिया।

ऋषभ पंत के निशाने पर वीरेंद्र सहवाग का बड़ा रिकॉर्ड, टेस्ट में लगाएंगे सर्वाधिक छक्के

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ अहम चौथे टेस्ट के लिए भारतीय टीम ओल्ड ट्रैफर्ड में तैयारी कर रही है। इसी बीच सभी निगाहे ऋषभ पंत पर टिकी है जो सर्वाधिक छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़ने से अब सिर्फ तीन छक्के दूर है। बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज पंत अगर ऐसा करते है तो टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए वह वीरेंद्र सहवाग के 90 छक्कों के ऐतिहासिक आंकड़े को पीछे छोड़ देंगे। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है जो सालो से किसी ने छुआ तक नहीं है।

हालांकि लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उन्हें उंगली में चोट लगी थी, फिर भी मैनचेस्टर टेस्ट में विकेटकीपर के तौर पर उनके खेलने की पूरी उम्मीद है। यदि वह मैदान पर उतरते है तो यह मुकाबला उनके लिए व्यक्तिगत और भारतीय टीम दोनो के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

वीरेंद्र सहवाग ने अपनी आक्रामक शैली से 103 टेस्ट की 178 इनिंग्स में 90 छक्के लगाए। वही

मात्र 27 वर्षीय ऋषभ पंत ने अपने करियर के 46 टेस्ट मैचों में अब तक 88 छक्के लगा दिए है और रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। पंत की इस उपलब्धि को और खास बनाता है उनका 74.19 का स्ट्राइक रेट जो कि टेस्ट में मध्य क्रम के बल्लेबाज के लिए बेहद असाधारण है। तुलना करे तो सहवाग का स्ट्राइक रेट 82.18 था जो उन्होंने एक ओपनर के तौर पर अधिकतर तेज पिचो पर हासिल किया था।

चौथे टेस्ट से पहले भारत की बढ़ी मुश्किलें, नीतीश रेड्डी इंग्लैंड दौरे से बाहर, अर्शदीप उपलब्ध नहीं

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं जबकि चोटिल तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चौथे टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

दूसरे और तीसरे टेस्ट में खेलने वाले रेड्डी रविवार को जिम में अभ्यास करते हुए चोटिल हो गए थे और अब वह स्वदेश लौटेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'नीतीश कुमार रेड्डी बाएं घुटने की चोट के कारण शेष दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। नीतीश स्वदेश लौट आएंगे

और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है।'

अर्शदीप को पिछले सप्ताह बेकेनहैम में अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स पर गेंदबाजी करते समय बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। उन्होंने श्रृंखला में अब तक कोई मैच नहीं खेला है। बयान में कहा गया है, 'बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है।'

हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है और वह मैनचेस्टर में टीम से जुड़ चुके हैं। चौथा टेस्ट मैच बुधवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। इंग्लैंड पांच मैचों की एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 से आगे चल रहा है।

चौथे टेस्ट के लिए भारत की टीम :

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

मैनचेस्ट युनाइटेड के खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलते दिखे भारतीय क्रिकेटर

लंदन । कप्तान शुभमन गिल सहित कई अन्य भारतीय क्रिकेटर मैनचेस्टर में 23 जुलाई बुधवार से शुरु होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले फुटबॉल खेलते नजर आये। इस मैच से पहले भारतीय खिलाड़ियों की मुलाकात मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों से हुई। ऐसे में कई भारतीय खिलाड़ी क्लब की जर्सी पहनकर खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलने लगे। वहीं इस दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज एक फुटबॉलर को गेंदबाजी करते दिखे। भारतीय क्रिके बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के फुटबॉल की जर्सी पहने की तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया पर जारी की है। इसमें टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी रेड डेविल्स के साथ फुटबॉल खेलते दिख रहे हैं। वहीं सिराज पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड कप्तान और स्टार डिफेंडर हैरी मैगुइरे को गेंदबाजी करते दिखे। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी प्री-सीजन के लिए आये थे और इसी दौरान उनकी मुलाकात भारतीय क्रिकेटरों से हुई। कई तस्वीरों में शुभमन को फुटबॉलर ब्रूनो फर्नांडीस के साथ, सिराज को अमद डायलो के साथ, जसप्रीत बुमराह को मेसन माउंट और हैरी मैग्वायर के साथ बातचीत करते हुए देखा गया जबकि गंभीर रेड डेविल्स के मैनेजर रूबेन अमोरिम के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए दिखे।

मैच नहीं होने से भड़के अफरीदी, बोले एक सड़े अंडे ने सब बेकार किया

लंदन । अपने विवादास्पद बयानों के लिए हमेशा ही चर्चाओं में रहने वाले पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलने से इंकार करने के बाद एक बार फिर जहर उगला है। भारत से मैच नहीं होने पर अफरीदी ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि एक खिलाड़ी के कारण ही ये सब हुआ है। साथ ही इस खिलाड़ी को सड़ा अंडा तक बोल दिया पर किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया। अफरीदी ने कहा, खेल देशों को करीब लाते हैं। अगर राजनीति हर चीज के बीच आ जाए, तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे? बिना बातचीत के, चीजें हल नहीं हो सकतीं। इस तरह के आयोजनों का लक्ष्य भी एक-दूसरे से मिलना-जुलना है पर एक खिलाड़ी ने सब बेकार कर दिया। अफरीदी ने साथ ही कहा, उन्होंने मैच से एक दिन पहले ही ट्रेनिंग की थी। मुझे लगता है कि उन्हें केवल एक खिलाड़ी की वजह से मैच से नाम वापस लेना पड़ा है। भारतीय टीम भी बहुत निराश है। वे यहां खेलने आए थे। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही लोग इस प्रकार के मैच के खिलाफ थे। ऐसे में लोगों की भावनाओं की अनदेखी खिलाड़ी भी नहीं कर पाये।

शमी अगले सत्र में बंगाल से खेलकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे

कोलकाता । फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब अगले सत्र में पश्चिम बंगाल टीम से खेल सकते हैं। शमी को इस सत्र के 50 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। वह 28 अगस्त से शुरु होने वाली दलीप ट्रॉफी में भी पूर्व जोन की ओर से खेल सकते हैं। इससे शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी। उन्होंने टखने की सर्जरी के बाद भारतीय टीम के अंतिम बार 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा ओर उन्होंने पांच मैचों में नौ विकेट लिए थे। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शमी की नई टीम सनराइजर्स हैदराबाद छठे स्थान पर रही थी। इसमें भी उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने नौ मैचों में केवल छह विकेट लिए और उनकी इकॉनमी 11.23 रन प्रति ओवर रही। वह टखने की सर्जरी कराई और घुटनों की समस्याओं से भी परेशान रहे। उन्होंने जनवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज़ में वापसी की थी। उससे पहले उनहोंने भारतीय टीम के अंतिम बार नवंबर 2023 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में खेला था। उनकी घरेलू क्रिकेट में वापसी साल 2024 के अंत में बंगाल के साथ हुई थी। बंगाल के संभावित खिलाड़ियों की सूची में अभिमन्यु ईश्वरन, आकाश दीप, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद और अभिषेक पोरेल के नाम भी शामिल है।

एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं आएगी पाकिस्तान की टीम, सुरक्षा का दिया हवाला

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने खेल की वैश्विक नियामक संस्था एफआईएच को सूचित किया है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसके लिए महीने होने वाले एशिया कप के लिए अपनी टीम को भारत भेजना मुश्किल होगा। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा कि उन्होंने एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ को पत्र लिखकर टीम को भारत भेजने को लेकर अपने फैसले से अवगत करा दिया है।

उन्होंने कहा कि, हमने उन्हें सूचित किया है कि मौजूदा परिदृश्य में हमारी टीम को भारत में खेलते समय सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ सकता है। हमने उन्हें बता दिया है कि हमारे खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत जाने के इच्छुक नहीं हैं। एशिया कप वर्ल्ड कप के लिए

क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में निर्णय लेने की जिम्मेदारी एफाईएच और एएचएफ पर है।

उन्होंने कहा कि, हमने उनसे पूछा है कि हमें बताएं कि क्या गारंटी है कि हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। पाकिस्तान सरकार ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है लेकिन हाल ही में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा था कि टीम भारत नहीं जाएगी

बता दें कि, इससे पहले भारतीय खेल मंत्रालय के सूत्रों ने स्पष्ट किया था कि वह पाकिस्तान हॉकी टीम को अगले महीने भारत में होने वाले एशिया कप में शामिल होने से नहीं रोकेंगे। खेल मंत्रालय के सूत्र ने पीटीआई के हवाले से बताया कि वे बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में किसी टीम के शामिल होने के खिलाफ नहीं हैं। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है।

अगले माह होने वाले एशिया कप से पहले सुधार करें हॉकी टीम : श्रीजेश

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगस्त में होने वाले एशिया कप के लिए टीम को काफी सुधार करना होगा। श्रीजेश के अनुसार एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और इससे टीम की आंखे खुल जानी चाहिये। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए,

हमने मैदान पर कड़ी टक्कर दी पर अवसरों का लाभ नहीं उठाने से परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा। यह परिणाम हमें एशिया कप और अगले साल होने वाले विश्वकप और एशियाई खेलों जैसे अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले सुधार की जरुरत पर बल देने के संकेत दे रहा है। भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में लगातार सात हार के बाद अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। एशिया कप 2025 बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। हॉकी विश्वकप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 14 से 30 अगस्त तक खेला जायेगा। वहीं एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर, 2026 तक खेले जाएंगे। पुरुष राष्ट्रीय अंडर-21 टीम के मुख्य कोच ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका मुख्य काम यह तय करना है कि खिलाड़ी दबाव का सामना करना सीखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, 'एक कोच के रूप में मेरा काम खिलाड़ियों पर से दबाव कम करना है। मैं उन्हें बताता हूँ कि जूनियर विश्वकप के दौरान लगभग 10 हजार दर्शक मैदान में रहेंगे जिनकी उम्मीदें आप पर रहेंगी और इससे स्वीकार करना होगा। एक कोच होने के कारण मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ अपने खेल के अनुभव को साझा करना सबसे महत्वपूर्ण है।

सचिन के साथ अपना नाम देखकर सम्मानित अनुभव कर रहा : एंडरसन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के साथ ट्रॉफी पर अपना नाम देखकर उन्हें एक अलग ही अहसास हो रहा है। इससे वह सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के सार्वकालिक महानतम क्रिकेटरों में से एक के साथ अपना नाम देखकर उन्हें गर्व का अनुभव भी हो रहा है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस सीरीज के शुरु होने से पहले इसका नाम पटौदी सीरीज से बदलकर एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी रख दिया था हालांकि इस पर कुछ क्रिकेटरों ने आपत्ति भी जतायी थी और कहा था कि नाम बदलना सही नहीं है। इसके अलावा से भी कहा गया था इसमें सचिन का नाम पहले रखा जाना चाहिये थे पर ईसीबी ने एंडरसन का नाम पहले कर दिया। पटौदी ट्रॉफी भारत के पूर्व क्रिकेटर इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर थी। एंडरसन ने कहा, 'यह जरूरी नहीं कि आपके नाम पर ट्रॉफी का होना कितना बड़ा है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आपके नाम के साथ सचिन तेंदुलकर का नाम जुड़ाहै, जो मेरे लिए अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं।

रिंकू की मंगेतर प्रिया खेतों में काम करती नजर आयीं

जौनपुर । भारतीय टीम के क्रिकेटर रिंकू सिंह की मंगेतर और सपा सांसद प्रिया सरोज जमीन से जुड़ी नेता हैं। उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा हुई हैं। इसमें वह अपने क्षेत्र की महिलाओं के साथ पानी से भरे खेतों में काम करती दिखीं। वीडियो में प्रिया पानी भरे खेत में धान की रोपाई करती नजर आ रही है। रिंकू से सगाई की बाद से ही प्रिया चर्चाओं में रही हैं। प्रिया सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। उन्होंने सगाई की भी तस्वीरों को साझा किया था। वहीं अब प्रिया ने खेती करते हुए का एक वीडियो साझा किया है। उनके ये वीडियो जमकर वायरल भी हो रहा है। लोगों ने उनकी सादगी की सराहना की है। हाल ही में रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई लखनऊ में हुई थी जिसमें खेल और राजनीति जगत के दिग्गज भी शामिल हुए थे। रिंकू और प्रिया की शादी की पहले दिसंबर में वाराणसी में होने वाली थी पर रिंकू के व्यस्त क्रिकेट मैच के कार्यक्रम को देखते हुए शादी की तारीख आगे बढ़ा दी गई। रिंकू जहां एक मध्यवर्गीय परिवार से आते हैं और अपनी मेहनत के बल पर भारतीय टीम तक पहुंचे हैं। वहीं प्रिया एक राजनीतिक परिवार से आती हैं। रिंकू जहां क्रिकेट में व्यस्त रहने के कारण दसवीं भी नहीं कर पाये हैं। वहीं प्रिया उच्च शिक्षित हैं। रिंकू 2023 में कोलकाता नाइटराइडर्स की और एक पारी में लगातार पांच छक्के मारने के बाद से ही चर्चाओं में आये थे। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

विश्व चैंपियनशिप से पहले चाइना ओपन में सात्विक-चिराग की नजरें दमदार प्रदर्शन पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए लय हासिल करने के लक्ष्य के साथ कोर्ट पर उतरेगी। चाइना ओपन पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले अंतिम प्रमुख प्रतियोगिता है। इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगा।

वर्तमान में विश्व में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं लेकिन अभी तक फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। यही नहीं उन्हें पिछले सप्ताह जापान ओपन में पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार का सामना करना पड़ा था।

विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी पहले दौर में जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा का सामना करेगी। एकल वर्ग में लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय और पीवी सिंधू 20 लाख डॉलर इनामी प्रतियोगिता में अपनी फॉर्म वापस पाने की उम्मीद करेंगे। पिछले कुछ समय से फॉर्म में वापसी करने के लिए संघर्ष कर रहे लक्ष्य पिछले सप्ताह जापान ओपन में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। यहां उनका पहला मुकाबला चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त ली शी फेंग से होगा। भारत के एक अन्य खिलाड़ी प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वतनबे का सामना करेंगे। अब 16वीं रैंकिंग पर काबिज सिंधू के लिए इंडिया ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। पिछले सप्ताह वह कोरिया की सिम यू जिन से हार गईं थी। यह इस वर्ष पांचवा अवसर था जबकि वह पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। सिंधू का पहला मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त 18 वर्षीय पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन तोमोका मियाजाकी से होगा। महिला एकल में ही इस वर्ष की शुरुआत में ताइपे ओपन सेमीफाइनलिस्ट रहीं उन्नति हुड्डा का पहले दौर में स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से मुकाबला होगा, जबकि अनुपमा उपाध्याय का सामना चीनी ताइपे की लिन सियांग टी से होगा। महिला युगल में कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी, पांडा बहनें रुतपर्णा और श्वेतपर्णा, और अमृता प्रमुथेश-सोनाली सिंह की जोड़ी मैदान में हैं, जबकि रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे मिश्रित युगल में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या प्याज बालों का झड़ना रोक सकता है? जानिए इसका इस्तेमाल करने का सही तरीका

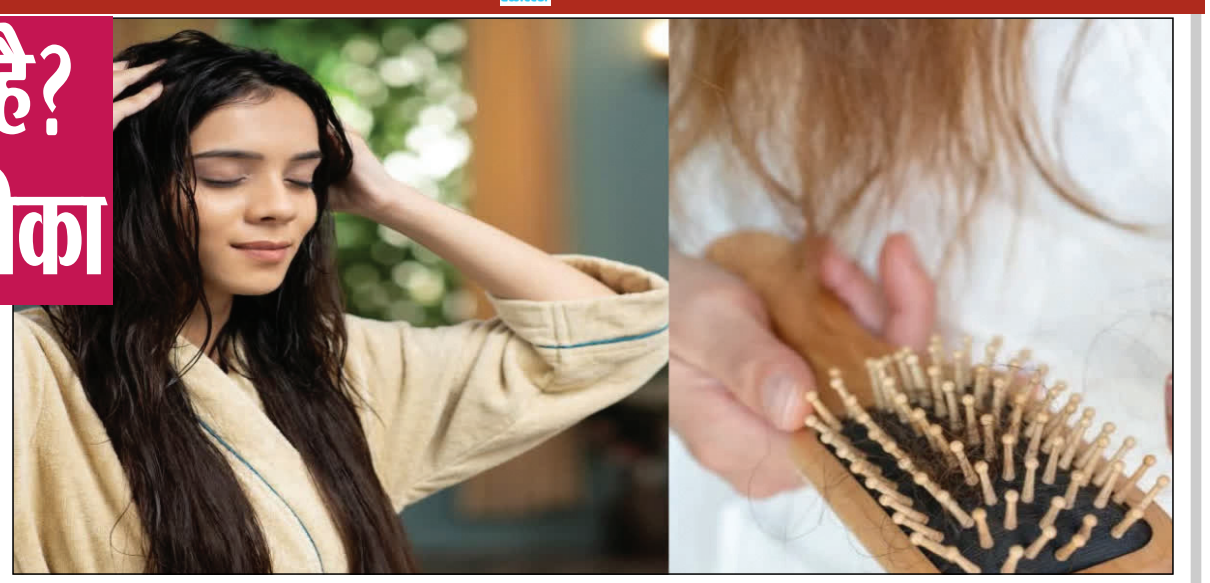

बाल झड़ने की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. बड़ों से लेकर बच्चों तक सभी को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है. आपको बता दें कि बाल झड़ने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. इन कारणों में हार्मोनल असंतुलन, तनाव, प्रदूषण, अनहेल्दी डाइट और बालों पर केमिकल वाले उत्पादों का इस्तेमाल शामिल हैं. बालों को झड़ने से रोकने के लिए लोग कई तरह के उपचार करवाते हैं, जिनके विपरीत प्रभाव भी हो सकते हैं. इसलिए बालों को झड़ने से रोकने के लिए घरेलू उपाय ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं. इन घरेलू उपायों में प्याज का तेल भी शामिल है. इसे घर पर बनाना भी आसान है...

प्याज का तेल बालों के लिए फायदेमंद है।

प्याज का तेल एक ऐसा तेल है जो बालों को झड़ने से रोकता है. प्याज से बना तेल बालों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है और बालों को झड़ने से रोकता है.

प्याज का तेल बनाने के लिए सामग्री

3 प्याज

1/2 कप नारियल तेल

प्याज का तेल कैसे तैयार करें?

एक बर्तन में नारियल का तेल डालकर गैस पर रखें, फिर इसमें कटे हुए प्याज के टुकड़े डालकर तेल को 20 मिनट तक उबालें. इसके बाद गैस बंद कर दें. जब तेल अच्छे से ठंडा हो जाए तो इसे कांच के जार में डालकर इस्तेमाल करें.

का उपयोग कैसे करें?

तैयार तेल को स्कैल्प से लेकर बालों के सिरे तक अच्छी तरह से लगाएं. इसे अपने सिर पर 1 घंटे या रात भर के लिए लगा रहने दें और फिर नहा लें. हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करने से बालों का झड़ना कम होगा और रूसी जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा.

प्याज के तेल के उपयोग के लाभ

प्याज सल्फर का एक अच्छा स्रोत है. यह केराटिन के उत्पादन को बढ़ाता है, जो बालों के विकास के लिए जरूरी प्रोटीन है.

प्याज में एंटीबैक्टीरियल गुण भरपूर मात्रा में होते हैं. यह स्कैल्प पर होने वाले हर तरह के संक्रमण को रोकता है.

प्याज का तेल रूसी को रोकने और रूसी की समस्या से राहत दिलाने में मदद करता है.

प्याज का तेल रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और बालों के विकास को बढ़ावा देता है.

प्याज के तेल का नियमित उपयोग बालों की जड़ों को मजबूत करता है और बालों का झड़ना रोकता है.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ पर प्रकाशित परिणाम क्या कहते हैं कि एलियम सेपा, जिसे आम तौर पर प्याज के रूप में जाना जाता है, लिलियासी परिवार से संबंधित है. प्राचीन काल से, इसका उपयोग पारंपरिक रूप से विभिन्न रोगों के उपचार के लिए किया जाता रहा है. प्याज के अर्क में लिवर हेक्सोकाइनेज, ग्लूकोज 6-फॉस्फेट और एचएमजी कोएंजाइम-ए रिडक्टेस की गतिविधियों को सामान्य करके हाइपोग्लाइसेमिक और हाइपोलिपिडेमिक प्रभाव भी पाए गए हैं. शोध के अनुसार, प्याज का अर्क पीने से ब्लड शुगर को तेजी से नियंत्रित करने में मदद मिलती है. इसके साथ ही प्याज में सल्फर भरपूर मात्रा में होता है, जो एक महत्वपूर्ण खनिज है जो बालों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. सल्फर अमीनो एसिड में पाया जाता है, जो केराटिन सहित प्रोटीन के निर्माण खंड हैं. केराटिन बालों का एक प्रमुख घटक है, और हाई सल्फर सामग्री बालों की मजबूती और लोच को बढ़ाती है.

किचन में भूलकर भी न रखें ये 2 बर्तन उल्टे, घर से भाग जाएगी सुख-समृद्धि

हिंदू धर्म में वास्तु का विशेष महत्व है. घर के किचन के लिए भी वास्तु अनिवार्य है. किचन सिर्फ खाना बनाने के लिए ही नहीं होता, बल्कि इसमें अन्नपूर्णा का वास भी होता है. इसमें लक्ष्मी का भी वास होता है. इसलिए अगर आप घर में सुख-शांति और समृद्धि चाहते हैं तो किचन से जुड़े वास्तु नियमों का पालन जरूर करें. इनकी अनदेखी करने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. नतीजतन घर को नकारात्मक प्रभावों का भी सामना करना पड़ सकता है, ऐसा वास्तु ज्योतिष विशेषज्ञों का कहना है.

आमतौर पर लोग किचन में बर्तन धोने के बाद उन्हें उल्टा करके रख देते हैं. लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में कभी भी दो बर्तन को उल्टे नहीं रखने चाहिए, इसमें कड़ाही और तवा शामिल है. जी हां! वास्तु शास्त्र कहता है कि किचन में कभी भी कड़ाही और तवे को उल्टा नहीं रखना चाहिए. ऐसा करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है.

जानकारों का कहना है कि ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जिसका स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना बनाने के बाद किचन में बर्तनों को धोना और उन्हें सही तरीके से रखना बहुत जरूरी है. नियमों का पालन करने से परिवार के सदस्यों के घर में समृद्धि और धन की प्राप्ति होती है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि तवा उल्टा रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और अक्सर घर में झगड़े होते रहते हैं. इसके साथ ही कहा जाता है कि घर में दरिद्रता बढ़ती है. इससे आर्थिक स्थिति भी खराब होने लगती है. कहा जाता है कि तवा उल्टा रखने से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं. इससे घर की खुशियां खत्म हो जाती हैं. पैसों की कमी का सामना करना पड़ता है. इसलिए सलाह दी जाती है कि किसी भी हालत में तवा उल्टा नहीं रखना चाहिए. जब ??भी तवा धोएं तो उसे सीधा ही रखें. इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि गंदे बर्तन रातभर किचन में नहीं रखने चाहिए.

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में सदैव खुशियां, सेहत और पैसे की कमी ना रहे. लेकिन कई बार हम भूल से कई छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिसकी वजह से घर में खुशियां और धन-दौलत लंबे वक्त तक नहीं टिक पाती. वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूरे घर में शांति और जीवंतता बनाए रखने के लिए किचन में साफ-सफाई बेहद जरूरी है. यह सिर्फ खाने की जगह नहीं है. यह वह स्थान है जहां मां गृहलक्ष्मी का वास होता है.

वास्तु शास्त्र कहता है कि हल्दी, नमक, पानी का बर्तन, चावल, चीनी और घी ऐसी चीजें हैं जो हमेशा किचन में मौजूद होनी चाहिए. अगर ये पूरी तरह खत्म हो जाएं तो उस घर में आर्थिक तंगी, हेल्थ रिलेटेड परेशानियां और पारिवारिक कलह की संभावना बढ़ जाती है. इसलिए किचन में कुछ चीजों को संभालकर रखना चाहिए ताकि ये कभी पूरी तरह खत्म न हों.

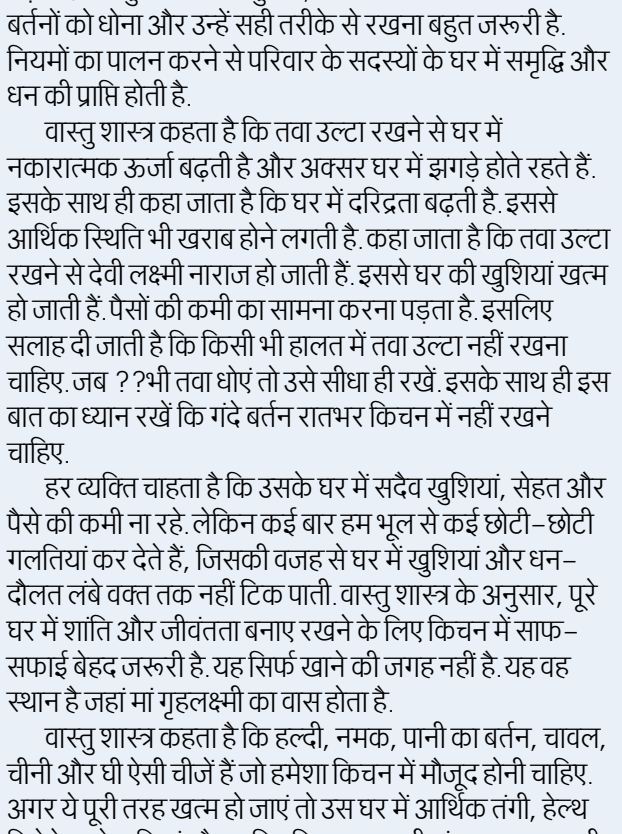

बरसात के मौसम में इन फलों का जरूर करें सेवन, बीमारियों से रहेंगे दूर और बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता

बारिश का मौसम शुरू हो गया है. हालांकि इस दौरान मौसम सुहावना होता है, लेकिन यह मौसम अपने साथ कई स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आता है. मानसून के दौरान वायरल इंफेक्शन, एलर्जी, डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी कई मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. हवा में नमी भी काफी होती है, जिसका असर पाचन क्रिया पर पड़ता है.

मानसून के दौरान इंफेक्शन की संभावना बढ़ जाती है. चाहे कितनी भी सावधानी बरती जाए, संक्रामक रोग फिर भी हो ही जाते हैं. सर्दी-खांसी से लेकर डेंगू, बुखार, मलेरिया, टाइफाइड और मच्छरों से होने वाली अन्य स्वास्थ्य समस्याएं मानसून के दौरान बढ़ जाती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ फल खाने से मानसून के दौरान स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके अलावा, कुछ फल संक्रमण से लड़ने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं.

मानसून के मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखना सबसे जरूरी है. ऐसे में पाचन और मौसमी बीमारियों से बचने के लिए आपको अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए. कहा जाता है कि मानसून के दौरान इम्यून सिस्टम का मजबूत होना सबसे जरूरी है. शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए कुछ फलों का सेवन जरूरी है. इन फलों को खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है. साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजबूत बनता है.

इन फलों का जरूर करें सेवन

अमरूद : बरसात के दिनों में अमरूद खाना अच्छा होता है. अमरूद न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है अमरूद में विटामिन सी, आयरन और एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. जो पाचन के लिए अच्छा होता है यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है.

अनार : अनार सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है. इसे खाने से शरीर में खून की कमी दूर होती है. इसमें विटामिन बी और फोलेट भी भरपूर मात्रा में होता है. अगर आप मानसून में इस फल को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो यह रेड ब्लड सेल्स की संख्या बढ़ाने में फायदेमंद होता है. लेकिन हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों को अनार खाने से बचना चाहिए.

सेब : सेब विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. सेब के नियमित सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और एनर्जी भी मिलती है. मानसून में सेब खाने से वायरल इन्फेक्शन का खतरा कम होता है. सेब में फाइटोकेमिकल्स भी होते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए फायदेमंद होते हैं. इनमें पाया जाने वाला फाइबर कब्ज और वजन घटाने के लिए अच्छा माना जाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि सेब के नियमित सेवन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित रहता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है.

पपीता : पपीता भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. मानसून में पपीता जरूर खाना चाहिए. पपीते में पपेन एंजाइम होता है. जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने का काम करता है. साथ ही इसे खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. साथ ही इसमें विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में होता है. साथ ही पपीते के पत्तों का जूस डेंगू बुखार में उपयोगी होता है. पपीते के पत्तों का जूस पीने से प्लेटलेट्स बढ़ती हैं. साथ ही यह सिरदर्द, थकान जैसी समस्याओं को भी दूर करता है.

नाशपाती : नाशपाती विटामिन सी से भरपूर होती है. यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करती है. मानसून में इसे खाना जरूरी है. यह पाचन के लिए भी जरूरी है. यह एक सुपरफूड है. कब्ज से परेशान लोग अगर नाशपाती खाएं तो इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं. क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है. जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए बहुत अच्छा होता है. इसके नियमित सेवन से मल को नरम करने में मदद मिलती है. नाशपाती कॉपर और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है. जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं. जर्नल मॉलिक्यूल्स में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, फ्लेवोनॉयड सूजन को कम करने और टाइप 2 और स्ट्रोक के रिस्क को कम करने में मदद कर सकते हैं.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किश्तवाड़ में आतंकवादियों की तलाश में अभियान फिर शुरू

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों ने घने जंगलों में छिपे आतंकवादियों को ढूंढने के लिए सोमवार को फिर से तलाशी अभियान शुरू किया है। सेना और पुलि के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान दच्छन और नागसेनी के बीच चेरजी क्षेत्र के खानकू जंगल में चलाया जा रहा है। दरअसल पुलिस और सेना ने मिलकर रविवार दोपहर को यह संयुक्त अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ भी हुई थी। माना जा रहा है कि ये आतंकवादी प्रतिबंधित संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े हो सकते हैं। इसमें से दो शीर्ष आतंकवादियों पर 30-30 लाख रुपये का इनाम घोषित है। मुठभेड़ के बाद इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए और बड़ा तलाशी अभियान चलाया गया। रविवार देर रात को अभियान को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था, लेकिन सोमवार सुबह ड्रोन और श्वान दस्ते की मदद से फिर से शुरू किया गया। आतंकवादियों के भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं और तलाशी अभियान को आसपास के क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है। हालांकि, घना जंगल और दुर्गम इलाका सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बना हुआ है।

अलग-अलग हादसों में दो कांवड़ियों की मौत, तीन घायल

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। मुजफ्फरनगर जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में दो कांवड़ियों की मौत हुई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पहली घटना जिले के सिमली बायपास के पास हुई। पुलिस ने बताया कि एक पिकअप ट्रक के पलट जाने से एक कांवड़िए अमित (28) की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार घटना तब हुई जब चार कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने वाहन में हरियाणा के महेंद्रगढ़ लौट रहे थे। दूसरी घटना में दिल्ली निवासी कांवड़िए विक्की (35) को नई मंडी थाना क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर पंचेंडा पुल के पास अचेत अवस्था में पाया गया। पुलिस ने बताया कि विक्की को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा संदेह है कि हरिद्वार से दिल्ली पैदल लौटते समय किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से विक्की के सिर में चोट लग गई जिससे उसकी मौत हो गई। बघेल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

डायन बताकर एक विधवा महिला को निर्वस्त्र कर पीटा... ब्लेड से काटकर खून निकाला

हजारीबाग (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग जिले में डायन बताकर एक विधवा महिला के साथ दरिंदगी की शर्मनाक घटना हुई है। आरोपियों ने घर में घुसकर महिला को निर्वस्त्र कर पीटा, उसके शरीर के कई हिस्सों को ब्लेड से काटकर खून निकाला और तांत्रिक अनुष्ठान किया। इसके बाद महिला को जबरन गया ले जाकर उसका सिर मुंडवा दिया गया। डायन मुक्ति के नाम पर महिला और उसके बेटे से 30 हजार रुपये भी वसूले गए। घटना हजारीबाग के जरहिया गांव की है। पीड़िता ने थाना पहुंचकर आपबीती सुनाई, इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने बताया कि गांव के सात लोग उसके घर पहुंचे और डायन होने का आरोप लगाकर घसीटकर बाहर निकाला। उसके कपड़े उतार दिए गए। फिर बेहरमी से पीटा गया और शरीर पर ब्लेड से जख्म कर खून निकाला गया। खून का इस्तेमाल कर तांत्रिक अनुष्ठान हुआ। इसके बाद आरोपी जबरन घर से उठाकर ले गए। वहीं गया जिले के प्रेतशिला ले जाकर उसका सिर मुंडवा दिया। वहां भी मारपीट की गई। आरोपी बार-बार कहते रहे कि उस 'डायन-बिसाही' से मुक्ति दिलाई जा रही है। इसके नाम पर महिला और उसके बेटे से 30 हजार रुपये भी वसूले गए। शनिवार रात करीब 10 बजे आरोपी महिला को घर में छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह वे अपने घर लौटी। डरी और सहमी महिला ने हिम्मत करके थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जम्मू-तवी एक्सप्रेस के कोच से निकला धुआं मची अफरा-तफरी, आधा घंटा खड़ी रही ट्रेन

बठिंडा (एजेंसी)। सोमवार सुबह जम्मू तवी एक्सप्रेस (19223 बी।1 कोच) में अचानक धुआं निकलने की वजह से यात्रियों में हड़कंप मच गया। यह ट्रेन बठिंडा रेलवे स्टेशन से सुबह 7-45 बजे फिरोजपुर के लिए रवाना हुई थी। करीब 15 मिनट बाद, जैसे ही ट्रेन भोकड़ा गांव के पास पहुंची, कोच से धुआं निकलता दिखाई दिया। सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारी और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। ट्रेन लगभग आधे घंटे तक गोनियाना और बठिंडा के बीच रुकी रही। इस दौरान तकनीकी टीम ने कोच की जांच की और पाया कि कोच की बेल्ट गर्म हो जाने के कारण धुआं निकल रहा था। मरम्मत टीम ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित किया। इससे पहले चालक ने तुरंत ट्रेन को आपात स्थिति में रोक दिया और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सभी जरूरी कदम उठाए गए। यात्री घबराकर ट्रेन से बाहर आ गए। प्रतिदर्शियों ने बताया की गाड़ी में धूआ निकलते देखते ही की चेन पुल की गई और गाड़ी को रोका गया। बठिंडा रेलवे स्टेशन अधीक्षक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया किकोच की बेल्ट में गर्मी की वजह से धुआं उठा था, लेकिन आग नहीं लगी। कोई जनहानि या बड़ा नुकसान नहीं हुआ। आवश्यक मरम्मत के बाद ट्रेन को सुरक्षित रवाना कर दिया गया। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे स्टाफ ने अतिरिक्त जांच की और सभी कोचों की तकनीकी खामियों को देखा। घटना के कारण ट्रेन करीब आधे घंटे की देरी से अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई।

ओडिशा में छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में कांग्रेस का युवा नेता गिरफ्तार

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में मंचेश्वर पुलिस ने नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के अध्यक्ष उदित प्रधान को 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा से कथित दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया है। एनएसयूआई कांग्रेस पार्टी का छात्र संगठन है।

हिमाचल में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी, भूस्खलन से दो की मौत

-सेराज घाटी में बाढ़ जैसे हालात, चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे बंद

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का दौर फिर शुरू हो गया है। राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश के रेड अलर्ट जारी है। इस बीच चंबा में लैंडस्लाइड से एक किशोरी और व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, आपदा से जूझ रहे मंडी जिले की सेराज घाटी में भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कुल्लू और सिरमौर जिले में जगह-जगह लैंडस्लाइड हुआ। वहीं, भूस्खलन से चंडीगढ़ मनाली नेशनल हाईवे बंद हो गया। मंडी जिले के थुनाग क्षेत्र में प्रशासन ने एहतियातन स्कूलों को बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं। डीसी ने अधिसूचना जारी की है।

जानकारी के मुताबिक मंडी-मनाली नेशनल हाईवे पर 4 मील और होटल मून के पास भूस्खलन के कारण मार्ग अवरुद्ध हो गया, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से ठप है। प्रशासन ने कुल्लू की ओर जाने वाले यात्रियों से कटौला-कटिंडी मार्ग के उपयोग की अपील की है। मनाली और इसके आसपास के इलाकों में दो दिन की राहत के बाद फिर से भारी बारिश का दौर शुरू हो गया है। कुल्लू जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश के कारण जगह-जगह भूस्खलन हुआ है, जिससे कई मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं।

औट-लुहरी नेशनल हाईवे-305 आनी उपमंडल में झेड़ के पास सड़क धंसने से यातायात बाधित हो गया है। वहीं सैंज घाटी के रोपा-सैंज मार्ग पर भी भूस्खलन के कारण रास्ता बंद हो गया है।

सिरमौर जिले में भी हालात गंभीर हैं। लगातार बारिश के चलते गिरी नदी का जलस्तर बढ़ने से गिरी जटोन डैम के चार गेट खोल दिए गए हैं। स्थानीय प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की हिदायत दी है। एनएच-707 पर पांवटा साहिब-शिलाई मार्ग पर उतरी गांव के पास भूस्खलन हुआ है, जिससे यह मार्ग यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। चंबा जिले के राजनगर इलाके की ग्राम पंचायत चढ़ी के गांव सूताह में भारी बारिश के कारण एक भारी पत्थर गिरने से एक किशोरी व व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गई। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

प्रशासन ने नागरिकों से सतर्कता बरतने और मौसम से संबंधित चेतावनियों का पालन करने की अपील की है। मौसम विभाग ने प्रदेश में तीन दिन तक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ग्रामीण क्षेत्रों से सब्जी मंडियों की ओर जा रहे कई वाहन रास्ते में फंसे हुए हैं। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने और नदी-नालों से दूर रहने की अपील की है। भारी बारिश के चलते मंडी-पंडोह मार्ग के 4 मील और 9 मील के बीच फिलहाल एकतरफा यातायात चलाया जा रहा है। इन क्षेत्रों में लगातार गिर रहे पत्थरों के कारण यह कदम उठाया गया है।

कुल्लू और मनाली जाने के लिए यात्री कटौला-कमांद मार्ग से वैकल्पिक रास्ता अपनाने की सलाह दी है और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की और सुरक्षा के हित में प्रभावित मार्गों पर अनावश्यक यात्रा से बचें। शिमला जिले में भी लगातार हो रही भारी बारिश से उपमंडल कुमारसैन की सभी शिक्षण संस्थानों को आज बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। सभी तहसीलों और उप-तहसीलों से प्राप्त रिपोर्ट और क्षेत्र में भारी बारिश और सड़क की खराब स्थिति को देखते हुए उपमंडल रोहडू में भी सभी शैक्षणिक संस्थानों और आंगनवाड़ियों को सोमवार को बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

शिमला मौसम विभाग केंद्र की तरफ से सोमवार सुबह नौ बजे पांच जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, इसमें हमीरपुर, शिमला, सोलन, सिरमौर और मंडी शामिल हैं और कहा गया है कि कहीं-कहीं मूसलाधार वर्षा होने की संभावना है, जिससे स्थानीय नालों और नदियों में जलस्तर बढ़ सकता है और भूस्खलन की आशंका है। अन्य शेष जिलों में भी कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। साथ ही गर्जन के साथ बिजली गिरने की भी संभावना जताई जा रही है।

मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट मामले के आरोपी बरी- ओवैसी बोले- 18 साल की सजा उन बेगुनाहों को मिली, जिन्होंने अपराध किया ही नहीं

हैदराबाद (एजेंसी)। मुंबई की लोकल ट्रेन में हुए सिलसिलेवार धमाकों (11 जुलाई 2006) के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में असफल रहा और पहले दिए गए फैसले में गंभीर त्रुटियाँ थीं। इस फैसले के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि 12 मुस्लिम पुरुष 18 साल तक उस अपराध के लिए जेल में रहे, जो उन्होंने किया ही नहीं था। उनका सुनहरा जीवन खत्म हो गया। 180 परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, कई घायल हुए- उनके लिए भी कोई न्याय नहीं हुआ। यह सिस्टम की भारी विफलता है। उन्होंने आगे पोस्ट में कहा, कि इस तरह के मामलों में पुलिस अक्सर पहले ही दोष मान लेती है और मीडिया ट्रायल के जरिए आरोपी को पहले ही दोषी बना दिया जाता है। ओवैसी ने कहा, मीडिया और पुलिस ने इन निर्दोषों को देशद्रोही बताकर पेश किया और उनकी ज़िंदगी बर्बाद कर दी। सांसद ओवैसी ने ब्लास्ट मामले की जांच करने वाले तत्कालीन एटीएस अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही, उस वक्त महाराष्ट्र की सत्ता में रही राजनीतिक पार्टियों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने यातनाओं की शिकायतों को नजरअंदाज किया। इस केस में निर्दोष साबित हुए 12 लोगों की 18 वर्षों की यातना और बर्बाद हुआ जीवन एक बार फिर न्याय व्यवस्था, पुलिस जांच प्रणाली और मीडिया की जवाबदेही पर गहरे सवाल खड़े करता है। वहीं अब यह बहस फिर तेज हो गई है कि क्या सिर्फ बरी हो जाना न्याय है, या ऐसे मामलों में राज्य को जवाबदेह ठहराना जरूरी है।

संविधान की प्रति जेब में रख घूम रहे राहुल गांधी क्या दिखाना चाहते हैं: केंद्रीय मंत्री शेखावत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लंबे समय से संविधान की प्रति जेब लेकर घूम रहे हैं। अधिकांश आयोजन और प्रेस वार्ता में वे संविधान की कॉपी लहराते नजर आते हैं। इस पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तंज कसा है। शेखावत ने कहा कि संविधान की एक प्रति जेब में रखना और संवैधानिक पद पर हमला विरोधाभाषी है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि संविधान की एक प्रति जेब में रखना और साथ ही संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करना और उनकी पवित्रता को कम करना बेहद विरोधाभाषी है। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण चल रहा है। यह पहली बार नहीं है, बल्कि देश में चौथी बार ऐसा हो रहा है, ऐसे में इस तरह की अनुचित टिप्पणी करना उनकी अपनी विश्वसनीयता को ही कम करता है।

संसद के मानसून सत्र पर शेखावत ने कहा कि मेरा मानना है कि देश के सामने कई महत्वपूर्ण और प्रासंगिक मुद्दे हैं, जिन पर खुली चर्चा और संवाद होना चाहिए। संसद संवाद का प्लेटफार्म है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इसका इस्तेमाल रचनात्मक विचार-विमर्श के लिए किया जाएगा, न कि इसे व्यवधान या अराजकता का मंच बनाया जाएगा। आपातकाल पर शेखावत ने कहा कि जब देश के संविधान की हत्या की गई थी, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने पद की चाहत में देश के सभी मूल स्तंभों को ध्वस्त कर आपातकाल लागू किया था। आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों का हनन किया गया था। आंदोलन का नेतृत्व करने वाले जयप्रकाश नारायण की गिरफ्तारी के बाद, प्रभाष जोशी ने सशक्त और विचारोत्तेजक लेख लिखे, जिन्होंने देश को जागृत किया और लोकतंत्र की बहाली के लिए लोगों को एकजुट किया था।

शहीद दिवस रैली में ममता बनर्जी का भाजपा पर बड़ा हमला- बंगाल में एसआईआर जैसी कोई योजना नहीं चलेगी

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को शहीद दिवस रैली के मंच से भाजपा पर जोरदार हमला बोलते हुए साफ कहा, कि राज्य में एसआईआर (स्पेशल आईडेंटिफिकेशन रजिस्ट्री) जैसी कोई कवायद नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने भाजपा पर भाषाई आतंकवाद फैलाने और बंगालियों को निशाना बनाने का गंभीर आरोप लगाया।

कोलकाता के मध्य भाग में आयोजित भारी जनसमूह वाली रैली में ममता ने कहा कि बंगाली अस्मिता की रक्षा के लिए वह किसी भी हद तक जाएंगी। उन्होंने घोषणा की कि बंगालियों के खिलाफ हो रहे कथित हमलों के विरोध में 27 जुलाई से राज्य भर में भाषाई आंदोलन की शुरुआत की जाएगी और हर सप्ताहांत विरोध रैलियां निकाली जाएंगी। सीएम ममता बनर्जी ने कहा, कि हम सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं, (हिंदी, मराठी, गुजराती) लेकिन हम बंगाली भाषा पर किसी भी प्रकार के हमले को बर्दाश्त नहीं करेंगे। भाजपा का मकसद बंगाल की पहचान को मिटाना है, और हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों को डिटेंशन कैंपों में रखा जा रहा है और उनके मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने 2019 की घटना को याद करते हुए कहा कि भाजपा समर्थकों ने ईश्वरचंद्र विद्यासागर की मूर्ति तोड़कर बंगाली संस्कृति का अपमान किया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला करते हुए ममता ने कहा, कि वह अपना राज्य नहीं संभाल पा रहे, फिर भी बंगाल के मामलों में दखल दे रहे हैं। उन्होंने सुष्मिता देव से असम में बड़े विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। रैली के अंत में ममता बनर्जी ने 2026 के विधानसभा चुनावों और केंद्र की सत्ता में बदलाव के लिए दिल्ली कूच का आह्वान करते हुए कहा, हमें और सीटें जीतनी हैं, और अंततः दिल्ली में भाजपा को हराना है।

मायावती ने कहा- मानसून सत्र में दोनों पक्ष जनहित से जुड़े मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दें

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने लोकसभा के मानसून सत्र शुरु होने से पहले पक्ष और विपक्ष के नेताओं से अपील करते हुए कहा है कि सभी को मिलकर जनहित के मुद्दों पर चर्चा करना चाहिए। उन्होंने सरकार और विपक्ष से पार्टी हितों से ऊपर उठकर देशहित और जनहित के लिए एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि संसद का यह सत्र महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, आंतरिक और सीमा सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर ठोस नीतियां बनाने का अवसर होना चाहिए। बसपा प्रमुख ने चिंता जताई कि पिछले सत्रों की तरह इस बार भी संसद में सरकार और विपक्ष के बीच टकराव, हंगामा और आरोप-प्रत्यारोप हो सकते हैं, जिससे जनता के लिए अच्छे दिन की उम्मीद धूमिल हो सकती है।

अलीगढ़ में धर्मांतरण का नेटवर्क: 17 किशोरियों समेत 97 महिलाएं लापता

आगरा (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों से आए दिन धर्मांतरण के मामले सामने आ रहे हैं। यहां हाल ही में एक और अवैध धर्मांतरण गिरोह के खुलासे के बाद जिले में भी खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। पूर्व में अवैध धर्मांतरण व विदेशी फंडिंग में दोषी पाए गए उमर गौतम ने अलीगढ़ में भी अपना नेटवर्क फैला रखा था। गिरफ्तारी के बाद उसकी लिस्ट में 33 महिलाओं के नाम थे, जिन्होंने 2018 में धर्मांतरण किया था, जिनमें तीन महिलाएं अलीगढ़ की थीं। वह लोगों को नौकरी का लालच देता था। वहीं, जिले में जनवरी से अब तक 97 महिलाएं लापता हैं, जिनमें 17 किशोरियां हैं।

धर्मांतरण के मुख्य आरोपी छांगुर पर कार्रवाई के बाद एजेंसियों ने तलाशा कि उसका जिले से तो कोई कनेक्शन नहीं है। हालांकि ऐसा कोई कनेक्शन सामने नहीं आया। वहीं, अब आगरा पुलिस की छह राज्यों में कार्रवाई के बाद जिले में भी पुलिस सक्रिय हो गई है। चूंकि पूर्व में यहां भी धर्मांतरण के कई मामले सामने आ चुके हैं। साथ ही इस तरह के आरोपियों से अलीगढ़ के तार जुड़े रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से जनवरी से अब तक कुल 97 महिलाएं लापता हैं। इनमें अधिकतर को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप है। इनके परिजन भी तलाश में चक्कर काट रहे हैं। ऐसे में पुलिस ने नए सिरे से तलाश शुरू कर दी है कि कहीं इनमें से कोई धर्मांतरण की बलि तो नहीं चढ़ गया।

जब भी धर्मांतरण से जुड़ा कोई गिरोह पकड़ा गया, तब अलीगढ़ से उसका कनेक्शन जरूर सामने आया। ऐसे में अब आगरा की कार्रवाई के बाद स्थानीय एटीएस ने भी जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। हालांकि अभी तक किसी तरह की संदिग्ध बात सामने नहीं आई है। एसएसपी संजीव सुमन ने बताया कि जिले में अभी तक किसी भी एजेंसी ने संपर्क नहीं किया है। न ही ऐसी कोई शिकायत आई है। ऐहतियातन एजेंसियां सतर्क दृष्टि बनाए हुए हैं।

पूर्व में उमर गौतम का अलीगढ़ से नाम जुड़ा रहा था। वह गरीब बस्तियों में जाकर लोगों को जोड़ता था। इसके लिए पूरी टीम बना रखी थी। वहां धार्मिक पुस्तकों का वितरण करता था। जिन महिलाओं का धर्मांतरण कराया, उन्हें उमर ने शाइनिंग स्टार्स नाम दिया था। इसके अलावा उमर के भाषण का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ था। बाद में उसे हटा दिया गया। उसमें वह इस्लाम के महत्व पर जोर देता दिख रहा था। वह श्याम प्रताप गौतम से मो. उमर बना था। इसके अलावा कलीम सिद्दीकी भी लखनऊ अवैध धर्मांतरण मामले में एनआईए एटीएस कोर्ट द्वारा दोषी करार दिया गया कलीम सिद्दीकी भी अपने परिचितों से मिलने के लिए अलीगढ़ आता था। एटीएस को उसके यहां आने की जानकारी मिली थी। दो साल पहले गाजियाबाद में भी धर्मांतरण रैकेट पकड़ा गया था। इसमें मुख्य आरोपी अब्दुल्ला के बारे में जानकारी मिली थी कि वह सौरभ से अब्दुल्ला बना था। उसने एएमयू से बीडीएस किया था। परिसर में रहते हुए सौरभ धर्मांतरण की प्रक्रिया से गुजरा था। इसके बाद गोपनीय रूप से पुलिस ने जानकारी भी जुटाई थी।

शीशे के घरों में रहने वालों को दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए

-डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) पर बोला जोरदार हमला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) पर जोरदार हमला बोला है। शिंदे ने पार्टी के नेता रामकदम और योगेश कदम पर अरोप लगाए जाने पर यूबीटी को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि शीशे के घरों में रहने वाले दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए। शिंदे ने कहा कि मैं रामदास कदम को जानता हूं, इसलिए चिंता न करें। जब चुनाव आते हैं, तो कुछ लोग बदनामी का खेल खेलते हैं।

बता दें उद्धव ठाकरे ने एक इंटरव्यू में एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा था। शिंदे ने आरोप लगाने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें इस बात का मलाल है कि उन्होंने इतने सालों में मराठी लोगों के लिए कुछ नहीं किया। हमारी सरकार ने मुंबई की सड़कों को पक्का किया है। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे का सपना था कि मराठी लोगों को 40 लाख घर दिए जाएं। हम इस सपने को आगे बढ़ा रहे हैं। 35 लाख घर बनाने का काम शुरू हो चुका है। हम मुंबई से बाहर गए मराठी लोगों को वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। शिंदे ने कहा कि मैं सोने का चम्मच लेकर पैदा नहीं हुआ, लेकिन मैं इसे सभी को देना चाहता हूं। शिंदे ने सिद्धेश कदम, योगेश कदम और रामदास कदम के काम की तारीफ करते हुए कहा कि यहां मौजूद नेता शाखा प्रमुख रहे हैं। शाखा न्याय का मंदिर है। शिवसैनिक सालों से वहां लोगों के लिए काम कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि उन्हें वहां न्याय मिलता है। शिंदे ने कहा कि लाडली बहन योजना से ढाई करोड़ बहनों को लाभ मिला है। बता दें विधान परिषद के नेता विपक्ष अंबादास दानवे के विदाई समारोह के बाद फोटो सेशन में शिंदे और उद्धव का आमना सामना हुआ था, लेकिन दोनों ने एक दूसरे से नजर नहीं मिलाई थी।

पीएम मोदी की तारीफ कर फंसे दिग्गज नेता थरूर को केरल कांग्रेस भी करने लगी बायकट

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर इस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। उन्होंने कई बार सराहना की है। शायद यही कारण है वे अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ गए है। पहले पार्टी हाईकमान उनकी राष्ट्रवाद-प्रेमी टिप्पणियों से असहज नजर आया, और अब केरल में उनकी अपनी पार्टी यूनिट ने भी उनसे दूरी बना ली है। राष्ट्रीय सुरक्षा पर सरकार के समर्थन को लेकर उठे विवाद ने ऐसा तूल पकड़ा कि तिरुवनंतपुरम में अब थरूर को किसी भी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या थरूर कांग्रेस में अकेले पड़ते जा रहे हैं?

कांग्रेस और शशि थरूर के बीच बढ़ते मतभेदों के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता के मुरलीधरन ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि जब तक थरूर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर अपना रुख नहीं बदलते, तब तक उन्हें तिरुवनंतपुरम में किसी भी पार्टी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाएगा। मुरलीधरन ने कहा कि थरूर, जो कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भी हैं, अब हममें से एक नहीं माने जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि थरूर के खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, इसका फैसला पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा, जब तक वह (थरूर) अपना रुख नहीं बदलते, हम उन्हें तिरुवनंतपुरम में किसी भी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाएंगे। वह हमारे साथ नहीं हैं, इसलिए बहिष्कार जैसी कोई बात नहीं उठती। यह बयान तब आया है जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के अन्य सदस्य आगामी मानसून सत्र में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियों को लेकर मोदी सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे वे राष्ट्रीय सुरक्षा में चूक बता रहे हैं।

इससे पहले मुरलीधरन ने एक सर्वे को लेकर भी थरूर पर निशाना साधा था, जिसमें उन्हें यूडीएफ की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए पसंदीदा बताया गया था। इस पर मुरलीधरन ने कहा था, उन्हें पहले यह तय करना चाहिए कि वे किस पार्टी में हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद थरूर की प्रतिक्रियाओं को लेकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से उनका टकराव सामने आया है। उनके कुछ बयानों को कांग्रेस की स्थिति को कमजोर करने वाला माना गया, जिससे पार्टी में असंतोष बढ़ गया।

मुरलीधरन ने थरूर की ओर से एक मलयालम अखबार में प्रकाशित उस लेख की भी आलोचना की थी, जिसमें उन्होंने आपातकाल को लेकर इंदिरा गांधी की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि यदि थरूर कांग्रेस में खुद को असहज महसूस कर रहे हैं, तो उन्हें अलग राजनीतिक रास्ता चुन लेना चाहिए।

इससे पहले शशि थरूर, जो अमेरिका में ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे, ने कहा था कि देश को हमेशा पहले रखा जाना चाहिए और राजनीतिक दलों का मकसद देश को बेहतर बनाना होना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि देश के हालिया घटनाक्रमों और सीमाओं पर हो रहे हालात को देखते हुए सेना और केंद्र सरकार का समर्थन करने के कारण कई लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार को कोच्चि में एक कार्यक्रम में कहा, मैं अपने रुख पर कायम रहूंगा, क्योंकि मुझे लगता है कि यही देश के लिए सही है। थरूर ने कहा कि जब उनके जैसे नेता राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में अन्य दलों से सहयोग की बात करते हैं, तो उनकी अपनी पार्टी ही इसे विश्वासघात के रूप में देखती है और यही सबसे बड़ी समस्या बन जाती है।

शशि थरूर ने कहा कि राष्ट्र सबसे ऊपर है और राजनीतिक दल केवल देश को बेहतर बनाने का माध्यम हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी पार्टी का असली उद्देश्य एक बेहतर भारत का निर्माण होना चाहिए और पार्टियों को इस लक्ष्य तक पहुंचने के तरीकों को लेकर असहमति रखने का अधिकार है। रिपोर्ट के मुताबिक, थरूर ने यह भी स्पष्ट किया कि वे देश की सशस्त्र सेनाओं और सरकार के समर्थन में अपने रुख पर कायम रहेंगे, क्योंकि उन्हें विश्वास है कि यही रास्ता देश के हित में है। थरूर ने कहा, जब मैं भारत की बात करता हूं, तो मेरा मतलब सभी भारतीयों से होता है- न कि

केवल उन लोगों से जो मेरी पार्टी के समर्थक हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की एक पंक्ति का हवाला देते हुए कहा, अगर भारत ही न रहा, तो फिर क्या बचेगा?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन लोगों के डीएनए से पैदा हुआ बच्चा... ब्रिटेन में उठने लगे सवाल

लंदन (एजेंसी) ।मानव सभ्यता को आगे बढ़ाने और बेहतर बनाने के लिए मेडीकल जगत में रोज नए प्रयोग होते रहते हैं। इसी कड़ी में ब्रिटेन ने भी आज से दस साल पहले माइटोकॉन्ड्रियल दान को वैध किया था। इस नियम के बनने के सालों बाद इसके नतीजे सामने आए हैं। इस उच्च स्तरीय तकनीक के जरिए मानवीय डीएनए में आई खराबी को आगे बढ़ने से रोकना सबसे बड़ी चुनौती थी। अब डॉक्टरों ने शोध के नतीजे प्रकाशित किए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस तीन माता-पिता वाले शिशु की तकनीक से अभी तक आठ बच्चे पैदा किए जा चुके हैं, खुशी की बात यह है कि यह आठों ही अभी स्वस्थ हैं। दो शोध पत्रों के मुताबिक सरकार से अनुमति मिलने के बाद इसका प्रयोग 22 महिलाओं के डीएनए के लिए किया गया। यह वह महिलाएं थी जिनका जीन परेशानी खड़ा करने वाला था। यानी इनके जीन को लेकर अगर बच्चा पैदा होता, तब वह गंभीर अनुवांशिक विकार यार जन्मजात विकलांगता के साथ पैदा होता। इन महिलाओं के जीन में लेह सिंड्रोम भी उपस्थित था। इस तकनीक में तीन लोगों के डीएनए का उपयोग करके एक भ्रूण का निर्माण हुआ है। इसमें होने वाले माता पिता के न्यूक्लियर डीएनए को लिया गया और डोनर एक से स्वस्थ माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए को लिया गया। बता दें कि एक बच्चे के माइटोकॉन्ड्रिया के निर्माण के लिए उसकी माता ही जिम्मेदार होती है। इसके बाद अगर माता किसी बीमारी से ग्रसित है, तब बच्चा भी उसी परेशानी के साथ पैदा हो सकता है। ऐसी स्थिति में यहां पर किसी दूसरी महिला के अंड़े से माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए लिया गया। इसके बाद इन तीनों को निषेचित करके भ्रूण का निर्माण किया गया। 2015 में जब ब्रिटेन की संसद से माइटोकॉन्ड्रियल दान के बारे में बहस की जा रही थी। तब इसकी प्रक्रिया और प्रभावशीलता के बारे में कई सवाल उठे थे। हालांकि बाद में संसद से मंजूरी मिल गई थी। हालांकि अब जबकि रिपोर्ट सामने आ गई है, तब इसके बाद भी ब्रिटिश मीडिया में सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर यह तकनीक सफल हो गई थी तो अभी तक इसके बारे में सार्वजनिक रूप से क्यों नहीं बताया गया, जबकि इसमें बहुत बड़ा वित्तीय निवेश किया गया था।

चेन पहने खड़े शख्स को एमआरआई मशीन ने खींचा, गंभीर रुप से घायल, इलाज के दौरान मौत

वाशिंगटन (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड स्थित एक मेडिकल सेंटर में एक डरावनी घटना घटी। इस घटना से मेडिकल प्रोटोकॉल पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। 61 साल के एक बुजुर्ग शख्स को एमआरआई मशीन ने इतनी जोर से खींच लिया कि वह बुरी तरह घायल हो गया। एक दिन बाद उसकी मौत हो गई। हादसा वेस्टबरी के ओल्ड कंट्री रोड पर स्थित नैसाउ ओपन एमआरआई सेंटर में हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एमआरआई मशीन जब एक स्कैन कर रही थी, तभी वह शख्स कमरे में दाखिल हुआ। गले में उसने धातु की मोटी चेन पहन रखी थी। मशीन में लगे बेहद ताकतवर चुंबक ने उसे अपनी तरफ खींच लिया और वह जोर से मशीन की और खिंच गया। पुलिस ने बताया कि इस टक्कर से उस व्यक्ति की हालत गंभीर हो गई और उसे पास के अस्पताल में फौरन भर्ती कराया गया। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया है कि वह व्यक्ति सेंटर में मरीज था या किसी और वजह से एमआरआई रूम में घुसा। हादसे के बाद सेंटर से 911 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया गया। अब इस मामले की जांच की जा रही है कि ऐसा गंभीर हादसा कैसे हुआ और भविष्य में इससे बचने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर लोग काफी हैरान हैं। एक यूजर ने लिखा, एमआरआई रूम का दरवाजा तो लॉक होना चाहिए जब मशीन ऑन हो। क्या वह किसी और के स्कैन के दौरान अंदर चला गया? वहीं दूसरे ने पूछा, 'जो मरीज उस वक्त मशीन में था, उसका क्या हुआ?' कई यूजर्स ने इसे 'क्रेजी इंसिडेंट' बताया, और कुछ ने लिखा, मशीन का मैग्नेट तो हमेशा ऑन रहता है, भले ही स्कैनिंग न हो रही हो।

मलेशिया में छात्र वीजा पर आए पाकिस्तानी युवक... चौराहों और अन्य सार्वजनिक जगहों पर मांग रहे भीख

लोगों ने शिकायत की भीख ना मिलने पर लड़ाई झगड़ा करने लगते

क्वालालंपुर(एजेंसी)। मलेशिया में चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पढ़ाई के नाम पर छात्र वीजा लेकर आए 80 विदेशी लड़कों को भीख मांगते हुए पकड़ा गया। मलेशियाई पुलिस ने इन सभी को अलग-अलग स्थानों से छापेमारी कर गिरफ्तार किया है। दिलचस्प बात ये है कि इन 80 लोगों में से इनमें से 77 युवक पाकिस्तान के हैं, जबकि 3 बांग्लादेशी मूल के हैं। मलेशिया पुलिस को चौराहों और अन्य सार्वजनिक जगहों से शिकायतें मिली थी कि अनेक नौजवान भीख मांगने का काम कर रहे हैं और भीख ना मिलने पर लड़ाई झगड़ा करने लगाते हैं। सूचना के आधार पर मलेशिया पुलिस ने एक साथ अनेक जगहों पर छापेमारी कर इन युवकों को गिरफ्तार किया। इन्होंने छात्र वीजा पर मलेशिया में प्रवेश लिया था लेकिन ये किसी भी कॉलेज में पढ़ते नहीं थे। दिलचस्प है कि पुलिस की जांच पकड़े गए कुछ युवकों ने मलेशिया पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया कि वह यहां पढ़ने के लिए आए हैं और उनके पास बाकायदा स्टूडेंट वीजा भी है। मलेशिया पुलिस ने जब इसतरह के स्टूडेंट वीजा की जांच शुरू की, तब सामने आया कि ये लोग आए स्टूडेंट वीजा पर थे, लेकिन कहीं भी पढ़ाई नहीं कर रहे थे। पढ़ाई की जगह ये लोग भीख मांगने का काम करते थे। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए 80 लोगों में से 77 लोग पाकिस्तानी मूल के और 3 लोग बांग्लादेशी मूल के हैं। इन सभी को उनके देश वापस भेजने की तैयारी है। आपको याद दिला दें कि इसके पहले भी खाड़ी देशों ने ये बात उजागर की थी कि पाकिस्तान से लोग वहां आकर भीख मांगने का काम करते हैं।

ट्रंप की धमकी का असर: यूक्रेन से शांति वार्ता करने को तैयार हुए पुतिन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 50 दिन का अल्टीमेटम दिया था। रूस ने पहले बयान दिया कि उसे ट्रंप की धमकियों की परवाह नहीं, लेकिन अब वो दबाव में है। रूस ने रविवार को कहा है कि पुतिन यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं, लेकिन हम अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेंगे। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि रूस 50 दिनों के भीतर युद्धविराम पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिका और सख्त प्रतिबंध लगाएगा। क्रेमलिन ने कहा कि रूस अपने हितों की रक्षा करना जारी रखेगा और पश्चिमी दबाव में नहीं आएगा। क्रेमलिन प्रवक्ता ने आगे कहा कि दुनिया अब ट्रंप की कभी-कभार कठोर बयानबाजी की अभ्यस्त हो चुकी है, लेकिन यह भी सच है कि ट्रंप ने रूस को लेकर हालिया बयानों में शांति समझौते की संभावनाओं को खुला रखा है। क्रेमलिन ने कहा कि रूस बातचीत से इनकार नहीं कर रहा, लेकिन यूक्रेन और उसके पश्चिमी साझेदारों का आरोप है कि मॉस्को जानबूझकर शांति वार्ताओं में बाधा डाल रहा है। इस बीच, रूस ने यूक्रेनी शहरों पर लंबी दूरी से ड्रोन हमलों को तेज कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में एक रात में रूस ने जितने ड्रोन छोड़े, वह 2024 के कई महीनों के कुल हमलों से अधिक थे। रूस ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन रूस अपने रणनीतिक लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेगा। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रविवार को कहा, शांति संभव है, लेकिन हमारे लक्ष्य सर्वोपरि हैं। यह बयान ट्रंप द्वारा रूस को 50 दिनों की डेडलाइन दिए जाने के कुछ ही दिन बाद आया है। यूक्रेन पर रूस का हमला फरवरी 2022 में शुरू हुआ था और तब से दोनों देशों के बीच जारी युद्ध में लाखों जानें जा चुकी हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को लगातार सैन्य मदद दिए जाने के बावजूद रूस ने कई इलाकों पर कब्जा बनाए रखा है। अब जब ट्रंप फिर से सख्ती के साथ सामने आए हैं और पुतिन शांति के संकेत दे रहे हैं, ऐसे में वैश्विक कूटनीति एक नए मोड़ पर है।

विमानन समझौते के उल्लंघन पर अमेरिका ने मेक्सिको की उड़ानों पर लगाया बैन

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मेक्सिको पर द्विपक्षीय विमानन समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसकी उड़ानों पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि मेक्सिको 2022 से अमेरिका-मेक्सिको एयर ट्रांसपोर्ट एग्रीमेंट का पालन नहीं कर रहा है। विभाग के मुताबिक मेक्सिको सरकार ने अचानक स्लॉट रद्द कर दिए और अमेरिकी मालवाहक विमानों को राजधानी के मुख्य हवाई अड्डे से हटाकर नए हवाई अड्डे पर ले जाने के लिए मजबूर किया। मेक्सिको के तत्कालीन राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रादोर ने इसे 2026 फीफा वर्ल्ड कप की तैयारियों के मद्देनजर जरूरी बताया था। अमेरिकी परिवहन सचिव ने तीन 'अमेरिका फर्स्ट' उपायों की घोषणा की। इसके तहत कहा गया कि सभी मेक्सिकन एयरलाइनों को अमेरिका में अपनी उड़ानों का शेड्यूल परिवहन विभाग को देना होगा। कोई भी बड़ा यात्री या मालवाहक चार्टर विमान अमेरिका से आने-जाने से पहले विभाग की अनुमति लेनी होगी। साथ ही डेल्टा एयरलाइंस और एरोमैक्सिको की साझेदारी से एंटीट्रस्ट छूट वापस ली जा सकती है। डेल्टा और एरोमैक्सिको ने 2016 में साझेदारी की थी और वे इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। कंपनियों ने तर्क दिया है कि सरकार की कार्रवाई की सजा उन्हें नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इससे दो दर्जन रूट प्रभावित होंगे और करीब 800 मिलियन डॉलर की उपभोक्ता बचत पर असर पड़ेगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि मेक्सिको ने सुधारात्मक कदम नहीं उठाए तो उसकी उड़ानों को मंजूरी देने से इंकार किया जा सकता है। मेक्सिको सालों से अमेरिकी पर्यटकों का शीर्ष अंतरराष्ट्रीय स्थल रहा है। 2024 में वहां 4.5 करोड़ से ज्यादा विदेशी पर्यटक पहुंचे थे।

बांग्लादेश में बड़ा हादसा: माइलस्टोन कॉलेज पर गिरा वायुसेना का ट्रेनर विमान

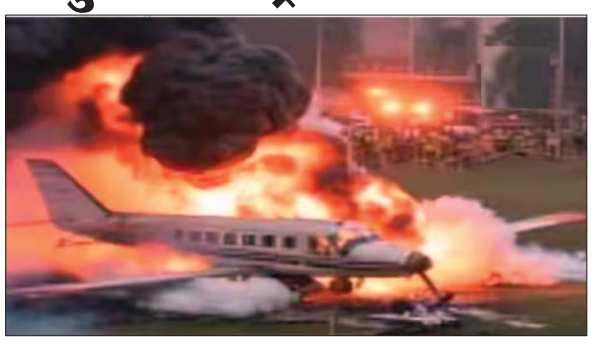

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका सोमवार दोपहर एक बड़े विमान हादसे से दहल उठी। बांग्लादेश वायु सेना का एक एफ-7 ट्रेनर एयरक्राफ्ट उत्तरी इलाके में स्थित माइलस्टोन कॉलेज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा दोपहर लगभग 1:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) दियाबारी क्षेत्र में हुआ, जो भारतीय समयानुसार करीब 1:00 बजे था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान तेज आवाज के साथ कॉलेज कैंपस के समीप गिरा, जिससे आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में कई लोग घायल हुए हैं और कुछ के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अधिकारिक तौर पर अभी हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हुई है। हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि बचाव दल मौके पर पहुंच चुका है और राहत कार्य जारी हैं। फिलहाल क्रैश के कारणों की जांच की जा रही है, और अधिकारियों का कहना है कि जल्दी ही दुर्घटना की विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी।

नवोदित पायलट करते हैं इसका इस्तेमाल

वायुसेना के जिस एफ-7 ट्रेनर एयरक्राफ्ट से यह हादसा हुआ, वह नवोदित पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला विमान है। यह विमान चीनी तकनीक पर आधारित है और लंबे समय से बांग्लादेश वायु सेना के प्रशिक्षण बेड़े में शामिल है। घटना के समय कॉलेज और आसपास के क्षेत्र में काफी हलचल थी, ऐसे में नुकसान की आशंका ज्यादा जताई जा रही है।

नेतन्याहू पागल हैं वह किसी की नहीं सुनता बस मनमानी कर रहा

-सीरिया पर हमले से ट्रंप प्रशासन नाराज कहा- ट्रंप की रणनीति कर रहे चौपट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इजराइल के सीरिया में लगातार सैन्य हमलों से अमेरिका का ट्रंप प्रशासन नाराज और बेचैन है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने नेतन्याहू की सैन्य रणनीति को गैरजिम्मेदार और आक्रामक बताया है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि इजराइी पीएम नेतन्याहू पागलों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। वह हर चीज पर बम गिराते हैं। इससे ट्रंप की रणनीति चौपट हो रही है।

रिपोर्ट में छह अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि इजराइल की हालिया सैन्य कार्रवाइयों ने सीरिया संकट को और जटिल बना दिया है। ट्रंप ने भले ही सार्वजनिक रूप से नेतन्याहू की आलोचना नहीं की हो, लेकिन अंदर ही अंदर असहमति बढ़ती जा रही है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हर दिन कोई नया बवाल हो जाता है। व्हाइट हाउस इस 'डेली ड्रामे' से तंग आ चुका है।

गाजा में एक चर्च पर इजराइली बमबारी के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद नेतन्याहू को फोन कर स्पष्टीकरण मांगा था। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नेतन्याहू की तुलना ऐसे बच्चे से की जो किसी की बात नहीं सुनता और अपनी मनमानी करता है। यह विवाद तब और गहरा गया जब इजराइल ने सीरिया के सुवैदा इलाके में बमबारी की। इजराइल का दावा है कि सीरियाई सेना डिमिलिट्राइज्ड जोन में घुस आई थी और उसने ड्रूज समुदाय पर हमला किया। सीरिया ने इस आरोप को खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि नेतन्याहू के इस रवैये से अमेरिका और इजराइल के बीच रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है।

भारत-बांग्लादेश के लिए मुसीबत, ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने लगा दुनिया का सबसे बड़ा बांध

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बांध का निर्माण औपचारिक रूप से शुरू कर दिया। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने न्यिंगची शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले क्षेत्र, जिसे स्थानीय रूप से यारलुंग जांगबो के नाम से जाना जाता है, में आयोजित समारोह में बांध के निर्माण कार्य के शुरू होने की घोषणा की।

खबर के अनुसार यह समारोह तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के न्यिंगची मेनलिंग जलविद्युत स्टेशन के बांध स्थल पर आयोजित हुआ। दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना मानी जाने वाली इस जलविद्युत परियोजना ने भारत और बांग्लादेश में चिंता पैदा कर दी है।इस परियोजना में पांच जलविद्युत स्टेशन शामिल होंगे। वर्ष 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, जल विद्युत स्टेशन से प्रत्येक वर्ष 300 अरब किलोवाट घंटे से अधिक बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग और चीन के विद्युत निर्माण निगम समेत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने समारोह में हिस्सा लिया।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कुछ दिनों पहले ही कहा था कि राज्य की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक 'वॉटर बम' होगा और यह सैन्य खतरे के अलावा, किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। खांडू ने इंटरव्यू में कहा था कि यारलुंग सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए मजबूर कर सकती थी। ब्रह्मपुत्र नदी को तिब्बत में यारलुंग सांगपो नाम से जाना जाता है। खांडू ने कहा था, मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे कब क्या करेंगे। उन्होंने कहा, चीन से सैन्य खतरे के अलावा, मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। यह हमारी जनजातियों और हमारी आजीविका के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा करने वाला है। यह काफी गंभीर मुद्दा है क्योंकि चीन इसका इस्तेमाल एक तरह के 'वॉटर बम' के रूप में भी कर सकता है।

जापान के पीएम शिगेरू इशिबा सदन में नहीं कर पाई बहुमत हासिल

- हार के बाद अल्पमत में आने के बाद इस्तीफा देने को तैयार नहीं

टोक्यो (एजेंसी)। जापान के पीएम शिगेरू इशिबा की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार 248 सीटों वाले ऊपरी सदन में बहुमत हासिल नहीं कर पाई है। इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्ट और उसकी जूनियर पार्टनर कोमेटो को बहुमत हासिल करने के लिए 50 अतिरिक्त सीटों की जरूरत थी, जबकि उनके पास पहले से ही 75 सीटें थीं। गठबंधन ने केवल 47 सीटें ही हासिल की, जो बहुमत से कम है। हार के बाद शिगेरू इशिबा का कहना है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक दक्षिणपंथी पॉपुलिस्ट पार्टी ने इशिबा की हार हो माता दी है, जिसने उनके नेतृत्व के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। पिछले साल अक्टूबर में जापान के निचले सदन में बहुमत खोने के बाद, इशिबा के गठबंधन को ऊपरी सदन में भी हार का सामना करना पड़ा था। यह 1955 में एलडीपी की स्थापना के बाद पहली बार है, जब उनके पास दोनों सदनों का नियंत्रण नहीं है।

अल्पमत में आने के बावजूद इशिबा ने पद पर बने रहने और अमेरिकी टैरिफ दबाव जैसे मुद्दों को संबोधित करने का वादा किया। हालांकि अब उन्हें या तो इस्तीफा देने या नए गठबंधन साथी की तलाश करने के लिए आंतरिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। बता दें रविवार को मतदान खत्म होने के बाद परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए इशिबा ने कहा था कि उन्होंने इस मुश्किल नतीजे को स्वीकार किया है। हालांकि उन्होंने इस्तीफा देने के बारे में कुछ न कहते हुए अमेरिका के साथ टैरिफ वार्ता के बारे में बताना शुरू कर दिया। इसके साथ ही वे जापान के राष्ट्रीय हित सुरक्षित करने की बात कहते नजर आए हैं।

लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी कोमेटो ने रविवार को हुए चुनाव में 125 में से केवल 47 सीटें जीतीं, जो बहुमत के लिए जरुरी 50 सीटों से कम हैं। मतदाताओं ने बढ़ती कीमतों और अमेरिकी टैरिफ के खतरे पर नाराजगी जताई और दक्षिणपंथी पार्टियों की ओर रुख किया। दूर-दक्षिणपंथी सैंसेइतो पार्टी ने 14 सीटें जीतीं, जो पहले केवल एक सीट थी, जिससे उसे ऊपरी सदन में अहम उपस्थिति मिली। केंद्र-दक्षिणपंथी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 22 सीटें जीतीं वहीं केंद्र-वाम मुख्य विपक्षी संवैधानिक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 37 सीटें जीतीं।

इशिबा से पहले तीन एलडीपी प्रधानमंत्री ऊपरी सदन में बहुमत खोने के दो महीने के भीतर इस्तीफा दे चुके हैं। अगर इशिबा जाते हैं, तो यह स्पष्ट नहीं है कि अब कौन उनकी जगह लेगा, क्योंकि सरकार को कानून पारित करने के लिए दोनों सदनों में विपक्ष का समर्थन चाहिए। इशिबा अपनी ही पार्टी में कभी लोकप्रिय नहीं रहे, वहीं मतदाता भी एलडीपी के हाल के कुछ सालों में घोटालों की वजह से नाराज हैं।

अगर अमेरिकी डॉलर ने दर्जा खोया, तो यह विश्व युद्ध हारने जैसा होगा

-डॉलर की वैश्विक स्थिति को लेकर ट्रंप चिंतित, ब्रिक्स देशों को दे रहे धमकी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर की वैश्विक स्थिति को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चिंता बढ़ती जा रही है। ब्रिक्स देशों की ओर से डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने की कोशिशों के बीच ट्रंप ने कहा है कि अगर अमेरिकी डॉलर अपना रिजर्व करेंसी का दर्जा खो देता है, तो यह अमेरिका के लिए एक विश्व युद्ध हारने जैसा होगा। एक अगस्त से अमेरिका द्वारा लागू किए जाने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर ट्रंप पहले ही जापान, ब्राजील, साउथ कोरिया, इंडोनेशिया सहित कई देशों के खिलाफ सख्त रुख अपना चुके हैं।

अब ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को भी चेतावनी दी गई है कि यदि वे डी-डॉलरीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो उन पर अलग से टैरिफ लगाया जा सकता है। ट्रंप ने कहा कि डॉलर का वैश्विक प्रभुत्व समाप्त हुआ तो अमेरिका पहले जैसा देश नहीं रहेगा। ब्रिक्स देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका मिलकर स्विफ्ट सिस्टम का विकल्प तैयार करने और स्थायी ब्रिक्स करेंसी लाने की तैयारी कर रहे हैं। कई सदस्य देश डॉलर की जगह घरेलू मुद्राओं में व्यापार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

डॉलर जो 1944 से दुनिया की प्रमुख आरक्षित मुद्रा रहा है, आज भी करीब 90फसदी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा लेन-देन का हिस्सा है, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। कई देशों के केंद्रीय बैंक गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहे हैं और अमेरिकी ट्रेजरी होल्डिंग्स में कटौती कर रहे हैं। वर्ष 2025 की शुरुआत से ही डॉलर 10फीसदी से ज्यादा गिर चुका है और इसका असर अमेरिकी बाजारों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिख रहा है। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स इस साल 97.48 तक गिरा, जो पिछले साल के आखिर में 109 के पार था।

विशेषज्ञों के मुताबिक डॉलर में 1973 के बाद की सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति को लेकर एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे वैश्विक विकास में बाधा आ सकती है और महंगाई के साथ मंदी की आशंका भी बढ़ सकती है। भले ही विशेषज्ञ अभी डॉलर के पतन की भविष्यवाणी करने से बच रहे हैं, लेकिन यह साफ है कि दुनिया में मौजूदा फाइनेंशियल ऑर्डर बदलने की दिशा में हलचल तेज हो गई है। ट्रंप की बढ़ती बेचैनी इस बदलाव के संकेत हैं, जो आने वाले समय में अमेरिका की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पर असर डाल सकते हैं।

पाकिस्तानी फौज की करतूत, लापता हजारों बलोच, इस्लामाबाद में सड़कों पर शुरू हुआ भीषण विरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। राजधानी में ज़बरदस्त विरोध की लहर दौड़ गई है। लगातार छठे दिन बलूच महिलाएं इस्लामाबाद की सड़कों पर अपना धरना जारी रखे हुए हैं। प्रतिकूल मौसम, पुलिस उत्पीड़न और आवाजाही पर प्रतिबंध के बावजूद, इन महिलाओं ने अपनी माँगें पूरी होने तक हिलने से इनकार कर दिया है। बलूचिस्तान से लगभग 900 किलोमीटर की यात्रा करके, ये महिलाएँ अपने साथ दर्द और प्रतिरोध की कहानियाँ लेकर आई हैं। बेटों की तलाश में भटकती माताओं से लेकर अपने पिता का चेहरा न देख पाने वाली बेटियों तक, इस विरोध प्रदर्शन ने प्रांत में जबरन गायब होने के मौजूदा संकट को उजागर कर दिया है।

मीडिया से बात करते हुए एक बलूच महिला ने कहा कि मैं महमूद अली की मां हूं... मेरे बेटे को पाकिस्तानी एजेंसियों और सीटीडी ने 18 जून 2024 को लापता कर दिया था... एक साल बीत चुका है, लेकिन हमें नहीं पता कि वह कहां है या किस हालत में है। एक अन्य प्रदर्शनकारी, 10 साल की बच्ची ने बताया, मैं लापता जांजी बलूच की बेटी हूँ। मेरे पिता पिछले 10 सालों से लापता हैं। सीटीडी, सादी वर्दी में पुलिस, एफसी सुबह 3 बजे हमारे घर आए। मैं तब 3 महीने की थी। मैंने अपने पिता का चेहरा भी नहीं देखा है।प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रतिरोध के बावजूद, इस्लामाबाद पुलिस, खासकर महिला अधिकारियों द्वारा, उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। प्रशासन ने उन्हें शिविर लगाने की अनुमति नहीं दी है, पहुँच मार्ग बंद कर दिए हैं, और लाठीचार्ज का भी प्रयास किया है, जिससे प्रदर्शन स्थल एक 'खुली जेल' में बदल गया है।

इस विरोध प्रदर्शन ने प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ़ और पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की तीखी आलोचना की है, दोनों ही इस मुद्दे पर चुप रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने मुनीर पर इन गुमशुदगियों के लिए सीधे तौर पर ज़िम्मेदार होने का आरोप लगाते हुए कहा, 'वह बलूचिस्तान में किसी भी घर से रातोंरात किसी के भी पिता, भाई या बेटे का अपहरण कर लेते हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में कपड़ा व्यापारी पर चाकू से हमला,CCTV में कैद

"तू मेरी पत्नी को मैसेज क्यों करता है?" कहकर हुआ झगड़ा, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर घटनास्थल का रीकंस्ट्रक्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पूणा इलाके की मुक्तिधाम सोसाइटी में दो दिन पहले एक युवक द्वारा जमकर हंगामा किया गया था। इसके बाद गुस्साए युवक ने "तू मेरी पत्नी को मैसेज क्यों करता है?ज्ज कहकर कपड़ा व्यापारी पर चाकू से हमला कर दिया। यह पूरी घटना सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। चाकू से हमला करने वाले युवक को जब महिलाओं ने पकड़ लिया, तब जाकर कपड़ा व्यापारी की जान बच सकी। इस मामले में पूणा पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। साथ ही आरोपी को साथ लेकर पुलिस ने घटनास्थल पर रीकंस्ट्रक्शन भी कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूणा के विक्रमनगर सोसाइटी में रहने वाले उदय मनुभाई पटगीर (उम्र 29 वर्ष, मूल निवासीः भेखरा, सावरकुंडला, अमरेली) बॉम्बे मार्केट-पूणा रोड पर स्थित अनुपम प्लाजा में 'रुद्र क्रिएशन' नाम से लेस-पट्टी और कुर्ती बनाने की यूनिट चलाते हैं।

18 जुलाई को उदय पटगीर अपनी दुकान से परिचित लाभूबेन के घर, मुक्तिधाम सोसाइटी (पूणा) में कपड़े का माल लेने गए थे। जब वे माल लेकर मोपेड से निकल रहे थे, तभी अचानक हितेश नकुमा वहां आ धमका और गाली-गलौच शुरू कर दी।

इसके बाद हितेश ने यह कहते हुए हमला कर दिया कि "तू मेरी पत्नी को मैसेज क्यों करता है?" - और उदय पर चाकू से वार किए। गनीमत रही कि वहां मौजूद महिलाओं ने आरोपी को पकड़कर रोका, जिससे व्यापारी की जान बच सकी।

सड़क पर ही उदय और हितेश के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया। गुस्से में आकर हितेश ने कमर में छिपाया हुआ चाकू निकाल लिया और उदय पटगीर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। सड़क पर अचानक हुए इस हंगामे के चलते लोग इकट्ठा हो गए। मौके पर मौजूद महिलाओं ने हितेश को पकड़ लिया, जिससे उदय की जान बच सकी, हालांकि उसे गंभीर चोटें आईं।

हितेश ने धमकी देते हुए कहा, "आज तुझे जान से खत्म कर दूंगा, तू मेरी पत्नी को मैसेज क्यों करता है?" - इतना कहकर वह वहां से फरार हो गया। लहूलुहान अवस्था में उदय को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

पूणा पुलिस ने हितेश माधा नकुम (निवासी - मुक्तिधाम सोसाइटी, पूणा) के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। हितेश नकुम मूल रूप से भावनगर जिले के महुवा का रहने वाला है और वहीं किराने की दुकान चलाता है। उसकी पत्नी गर्भवती होने के कारण अपने मायके, मुक्तिधाम सोसाइटी, पूणा में रहने आई थी, जिसके चलते हितेश भी कुछ समय के लिए वहीं रहने आया था।

पुलिस के अनुसार, उदय और हितेश की पत्नी सोशल मीडिया पर दोस्त थे और नियमित रूप से बातचीत करते थे। जब इस बात की जानकारी हितेश को मिली, तो उसने गुस्से में आकर उदय पर चाकू से हमला कर दिया।

फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही आरोपी का मोबाइल जब्त कर उसमें किए गए मैसेज की जानकारी निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने आरोपी हितेश को साथ लेकर मुक्तिधाम सोसाइटी में घटनास्थल का रीकंस्ट्रक्शन (पुनर्निर्माण) कराया। इस दौरान बड़ी संख्या में सोसाइटी के लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए थे।

सूरत में अवैध कब्जा करने वालों की आड़ में अवैध गतिविधियों की शिकायत

कब्जा नहीं हटे तो अनशन की चेतावनी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के कई इलाकों में अवैध अतिक्रमण की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है। नगर निगम के रांदेर ज़ोन के वनकला-जाहांगीरपुरा क्षेत्र में सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण के कारण लोग बेहद परेशान हैं। वनकला स्थित सुदा संस्कृति रेसिडेंसी के रहवासी नगर निगम कार्यालय पहुंचे और चेतावनी दी कि यदि पुलिस-प्रशासन अतिक्रमण नहीं हटाएगा तो वे निगम कार्यालय पर अनशन पर बैठ जाएंगे। नगर निगम और पुलिस द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने के चलते लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पुलिस से शिकायत की गई तो पुलिस का जवाब था कि च्चारीब लोग हैं, उन्हें धंधा करने दो।ज्ज इस रवैये से लोग अब तंग आ चुके हैं और आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं।

सूरत शहर के अधिकतर क्षेत्रों में अतिक्रमण बढ़ते जा रहे हैं और नगर निगम इन पर रोक लगाने में विफल साबित हो रही है। नए-नए क्षेत्रों में अतिक्रमण हो रहे हैं जिससे आस-पास के रिहायशी इलाकों में रहने वाले लोगों की हालत खराब होती जा रही है। रांदेर ज़ोन के जाहांगीरपुरा वनकला क्षेत्र की सुदा संस्कृति रेसिडेंसी में 24 इमारतें हैं, जिनकी बाहर की जगहों पर लंबे समय से ठेले और गुमटियों द्वारा अतिक्रमण किया गया है।

स्थानीय निवासियों ने नगर निगम और पुलिस को कई बार इस बाबत शिकायतें की हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी को लेकर आज उन्होंने नगर आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपा और अपनी समस्याएं बताईं। ज्ञापन देने आए लोगों ने बताया कि रेसिडेंसी के अंदर इमारतों के नीचे और गेट के बाहर अतिक्रमण होने से उन्हें रोजमर्रा की जिंदगी में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

स्थानीयों का कहना है कि जब वे अतिक्रमणकारियों को हटाने के लिए कहते हैं तो उन्हें गालियां दी जाती हैं, महिलाओं के साथ अभद्रता की जाती है और हमला करने की कोशिश भी की जाती है। इस कारण महिलाओं की सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। इसके अलावा रात के समय यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है और शराब-गांजा जैसी नशाखोरी भी खुलेआम होती है।

सोसाइटी के बाहर नगर निगम की रोड पर भी अवैध मंडप बनाकर अतिक्रमण किया गया है जिससे रिहायशियों की हालत बद से बदतर हो गई है। कई बार शिकायतों के बावजूद नगर निगम और पुलिस ने कोई कदम नहीं उठाया। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि नगर निगम जल्द से जल्द अतिक्रमण नहीं हटाता तो सभी 24 बिल्डिंगों के निवासी एकजुट होकर नगर निगम कार्यालय पहुंचकर अनशन पर बैठेंगे और विरोध प्रदर्शन करेंगे।

सूरत के कठोदरा स्कूल में शिक्षक के तबादले का विवाद गांधीनगर पहुंचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम की नगर प्राथमिक शिक्षा समिति द्वारा संचालित कठोदरा प्राथमिक विद्यालय में हुआ सुरक्षा गार्ड घोटाला अब राजनीतिक रंग ले चुका है। घोटाले के बाद समिति ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। इस घोटाले में शिक्षक की भूमिका सामने आने पर शिक्षक कल्पेश पटेल का तबादला कर दिया गया, जिसके विरोध में ठेका एजेंसी के ठेकेदार की पत्नी ने अभिभावकों को भड़का कर आंदोलन करवाया। इस मामले में पुलिस शिकायत भी दर्ज की गई है और अब गांधीनगर स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग में इस बात की शिकायत की गई है कि छात्रों का उपयोग आंदोलन के लिए किया गया, जिससे उनकी पढ़ाई बाधित हुई। साथ ही यह मांग भी की गई है कि ऐसे असामाजिक तत्वों को प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश पर रोक लगाई जाए।

सूरत के कठोदरा इलाके में शिक्षा मंत्री द्वारा हाल ही में इस स्कूल का लोकार्पण किया गया था, लेकिन तभी से स्कूल में सुरक्षा गार्ड घोटाले की शिकायतें आने लगी थीं। जांच में सामने आया कि एक ही गार्ड की उपस्थिति दिखाकर तीन गार्डों का वेतन उठाया जा रहा था। इस मामले में प्रशासन ने ठेकेदार पर 3.67 लाख की पेनल्टी लगाई और पुलिस केस दर्ज किया। जब इस मामले में प्रभारी आचार्य की भूमिका भी उजागर हुई, तो जांच में बाधा न आए, इसलिए उनका तबादला कर दिया गया।

शनिवार 19 जुलाई को छात्रों ने शिक्षक कल्पेश पटेल के तबादले के विरोध में सड़क जाम कर प्रदर्शन किया, जिससे लसकाणा पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। जांच में सामने आया कि ठेकेदार कालू की पत्नी रिंकल, जो स्कूल मैनेजमेंट कमेटी की सदस्य भी हैं, ने छात्रों को उकसाया था। उन्होंने यह कहते हुए नाराज़गी जताई कि जब सभी स्कूलों में ऐसी ही स्थिति है, तो केवल एक ही स्कूल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? इसी दौरान उन्होंने च्चशिक्षा मंत्री हाय-हायज्ज के नारे भी लगाए। इस पूरे मामले की जांच पुलिस और शिक्षा समिति द्वारा की जा रही है।

एक नागरिक ने गांधीनगर स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग को शिकायत सौंपी है, जिसमें कहा गया है कि कठोदरा प्राथमिक विद्यालय के छात्रों का उपयोग असामाजिक तत्वों द्वारा आंदोलन के लिए किया गया, जिससे उनकी पढ़ाई में बाधा आई। आचार्य के तबादले के बाद अभिभावकों को गुमराह करते हुए रात में ही प्री-प्लानिंग करके छात्रों को सड़क पर बैठाया गया और स्कूल बंद करवाई गई।

शिकायत में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं उनमें कल्पेश डोबरिया, पंकज डोबरिया खोडीदास, हेतल बाबरिया, रिंकल पोशिया, रजनी काछड़िया, विपुल रामाणी और अन्य शामिल हैं। आरोप है कि इन लोगों ने छात्रों को गुमराह कर आंदोलन में शामिल किया और उन्हें शिक्षा से वंचित रखा। इसलिए यह मांग की गई है कि ऐसे असामाजिक तत्वों को स्कूल में प्रवेश करने से प्रतिबंधित किया जाए।

इस पूरी घटना के बाद कठोदरा स्कूल का मामला राजनीतिक रूप ले चुका है और आने वाले दिनों में इस मामले को लेकर और विवाद सामने आ सकते हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

सूरत पालिका का वडोद क्षेत्र का स्वास्थ्य केंद्र बीमार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्वच्छता सर्वेक्षण लीग में सूरत देश के शीर्ष शहरों में घोषित हुआ है, लेकिन इसके बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नगर निगम की इमारतों या अन्य जगहों पर गंदगी की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्वच्छता के इस दावे के उलटे पहलू भी अब दिखने लगे हैं, जिससे यह ज़रूरत महसूस की जा रही है कि नगर निगम को और अधिक गंभीरता से सफाई कार्य करना चाहिए।

हाल ही में उगम क्षेत्र के स्क्ष्ट क्वार्टर्स में गंदगी की शिकायत के बाद अब वडोद क्षेत्र में स्थित आयुष्मान स्वास्थ्य मंदिर (हेल्थ सेंटर) के आस-पास भारी गंदगी देखी गई है। वर्तमान में इस स्वास्थ्य केंद्र की हालत ऐसी है कि बीमार के साथ आया स्वस्थ व्यक्ति भी बीमार हो सकता है। इसलिए नगर निगम के इस स्वास्थ्य केंद्र के आसपास सफाई करवाने की माँग उठाई जा रही है।

सूरत के श्रमिक बहुल वडोद क्षेत्र में गरीबों को अच्छी और मुफ्त चिकित्सा सेवा देने के उद्देश्य से पालिका द्वारा यह आयुष्मान हेल्थ सेंटर बनाया गया था, लेकिन अब इसकी हालत खुद बीमार जैसी हो गई है। इसे ठीक करने के लिए तत्काल सफाई की ज़रूरत है। फिलहाल, हेल्थ सेंटर के चारों ओर पानी भरा है जिससे मच्छरजन्य बीमारियाँ फैलने का खतरा बना हुआ है।

हेल्थ सेंटर के आसपास भारी गंदगी है, जिससे इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके साथ आने वालों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यहां काम करने वाले कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय लोगों द्वारा लगातार सफाई की माँग की जा रही है, लेकिन यह शिकायत नगर निगम तक नहीं पहुंच रही है, जिस कारण कोई कार्रवाई नहीं हो रही है और यह आशंका जताई जा रही है कि अगर स्थिति यूं ही रही तो यहां काम करने वाले कर्मचारी और आने वाले लोग किसी बड़ी बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

श्रमजीवी क्षेत्र के इस हेल्थ सेंटर में गंदगी के साथ-साथ अब असामाजिक तत्वों ने भी अपना अड्डा जमा लिया है। रात होते ही यहां शराब की महफिलें जमाई जाती हैं, जिसकी पुष्टि पीछे पड़ी शराब की खाली बोतलों से होती है।

हालांकि गुजरात में कागजों पर शराबबंदी लागू है, लेकिन सूरत में शराब और ड्रग्स के कई मामले सामने आ चुके हैं। असामाजिक तत्व अब नगर निगम की संपत्तियों को भी नहीं बख्श रहे हैं।

आज विपक्ष की ओर से वडोद हेल्थ सेंटर का निरीक्षण किया गया, जहां पीछे के हिस्से में शराब की बोतलें और पाउच पाए गए। इसका वीडियो वायरल होने के बाद सूरत में शराबबंदी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

इस पूरे मामले ने नगर निगम की कार्यशैली, स्वच्छता अभियान की हकीकत, और कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खडे कर दिए हैं।

10 हजार करोड़ का बजट रखने वाली सूरत नगर पालिका में ए.एम.सी. की कमी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका, जोकि आकार निर्धारण और राजस्व के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है, उसमें एकाउंटेंट और असिस्टेंट म्युनिसिपल कमिश्नर (AMC) की अहम भूमिका होती है। इसके बावजूद पालिका में न तो चीफ अकाउंटेंट मौजूद है और न ही नौ ज़ोन को मिलाकर पर्याप्त AMC हैं। फिलहाल पूरे सूरत शहर में सिर्फ़ पाँच AMC कार्यरत हैं, जिनमें से दो निकट भविष्य में रिटायर होने वाले हैं। हैरानी की बात यह है कि बीते चार वर्षों से कोई नई भर्ती नहीं की गई है। प्रशासन काम चलाऊ तरीके से किसी एक अधिकारी को दो-दो ज़ोन का प्रभार देकर काम चला रहा है, जिससे पूरे तंत्र पर असर पड़ रहा है।

सूरत महानगर पालिका का वार्षिक बजट 10,000 करोड़ रुपये से भी अधिक है। ऑक्ट्रॉय हटने के बाद अब पालिका की आय का मुख्य स्त्रोत टैक्स और सरकारी ग्रांट बन गया है। इन दोनों ही स्त्रोतों को सही तरीके से प्रबंधित करने के लिए असिस्टेंट म्युनिसिपल कमिश्नर की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है, लेकिन सूरत में इसकी स्थिति चिंताजनक है।

नगर पालिका के 9 ज़ोन हैं, लेकिन एएमसी की जगहों पर केवल 5 अधिकारी कार्यरत हैं। और उनमें से दो अधिकारी अगले 3 से 4 महीनों में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इस कारण कई AMC को एक साथ दो ज़ोन का चार्ज दिया गया है, वहीं कुछ को अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ भी सौंपी गई हैं। इससे पालिका का आकलन विभाग पूरी तरह भगवान भरोसे चलता नजर आता है।

पालिका के राजस्व विभाग की रीढ़ माने जाने वाले आकलन और पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया उतनी आक्रामक नहीं हो पा रही है जितनी होनी चाहिए। इसका सीधा असर पालिका की आय पर पड़ रहा है।

इसी तरह, पालिका के खातों के प्रबंधन के लिए चीफ अकाउंटेंट की नियुक्ति बहुत जरूरी है, लेकिन वह पद भी लंबे समय से खाली है। वर्तमान में जो अधिकारी इस पद का प्रभार संभाल रहे हैं, वे भी जल्द ही सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

इस स्थिति में पालिका के रेवेन्यू, तकनीकी और मैनेजमेंट से जुड़े प्रमुख पद खाली रहने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। जनता का भरोसा भी अब इस सिस्टम पर कम होता जा रहा है, क्योंकि जब इतने बड़े बजट वाली संस्था में जरूरी पद ही खाली हैं, तो फिर सुचारू और पारदर्शी प्रशासन की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

एकल युवा की वन यात्रा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल युवा सूरत द्वारा रविवार को वन यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सूरत से 63 युवाओं ने भाग लिया और एकल अभियान के जमीनी कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

यात्रा के दौरान सभी एकल विद्यालय में पहुँचे, जहाँ उन्होंने वनवासी बच्चों की शिक्षा व्यवस्था को करीब से देखा और समझा कि किस प्रकार एकल विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की रोशनी फैला रहे हैं। यात्रा में सभी ने सोनगढ़ स्थित "एकल ऑन व्हील्स"को देखा, जो दूरदराज के क्षेत्रों में कंप्यूटर शिक्षा पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। अंत में सभी ने पद्मडुंगरी इको पार्क का आनंद लिया और प्रकृति की गोद में यात्रा के अनुभवों को साझा किया।

नाबालिग अवस्था में दो हत्याएं करने वाले ने की एक और हत्या।

पुलिस से बचने के लिए खुद को भी चोट पहुंचाई, रिकंस्ट्रक्शन के दौरान हाथ जोड़कर माफी मांगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कठोर गांव में वाहन ठीक से चलाने की मामूली टोकाटाकी एक हत्या में तब्दील हो जाने से सनसनी फैल गई। नाबालिग उम्र में दो हत्याएं कर चुका आदतन अपराधी शिवा श्रीवास्तव ने चाकू के पांच वार करके 21 वर्षीय युवक की हत्या कर दी। उत्राण पुलिस ने आरोपी शिवा श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया है।

हालांकि, पुलिस से बचने के लिए आरोपी ने एक फ्लैट में घुसकर खुद के सिर और हाथ पर भी चोटें पहुंचाई थीं ताकि खुद को पीड़ित दिखा सके। पुलिस ने आरोपी को साथ लेकर घटनास्थल का रिकंस्ट्रक्शन (पुनर्निर्माण) कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत के कठोर गांव में मेलडी माता मंदिर के पास की बस्ती में रहने वाला 21 वर्षीय राज सुकलाल अरवाल (मूल निवासीः चौकी, आलीराजपुर, मध्यप्रदेश) कबाड़ बेचकर अपना गुजारा करता था। शनिवार, 19 जुलाई की रात राज कठोर गांव में मानसरोवर सोसाइटी के पास से एक्टिवा लेकर गुजर रहा था। रास्ते में उसकी मुलाकात कडोदरा निवासी शिवा श्रीवास्तव से हुई। दोनों के बीच वाहन ठीक से चलाने जैसी एक मामूली बात को लेकर कहासुनी हो गई थी।

आरोपी ने युवक के पेट, सीने और गले पर चाकू से वार किए वाहन सही तरीके से चलाने को लेकर मामूली बात का विवाद बढ़ने पर गुस्साए शिवा ने जेब से चाकू निकाला और राज के पेट, सीने और गले पर लगभग पांच वार कर दिए।